माघ कृष्ण पक्ष - 2, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 183 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

05 जनवरी 2026 सोमवार

आज का मौसम

18.5 अधिकतम

6.8 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

न्यूज विंडो

रथ यात्रा पर पत्थरबाजी, भक्तों ने किया प्रदर्शन

बंगलूरु, एजेंसी। रविवार की रात बेंगलुरु के जगजीवन राम नगर में ओम शक्ति मंदिर से निकल रही एक शोभायात्रा के दौरान रथ खींच रहे भक्तों पर कथित तौर पर पत्थर फेंके गए। पुलिस ने इस बात की जानकारी दी है। एक पुलिस अधिकारी ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि एक शिकायत मिली थी जिसमें आरोप लगाया गया है कि शोभायात्रा के दौरान बदमाशों ने रथ पर पत्थर फेंके। इस घटना में दो बच्चों के सिर पर चोट आई है। कथित हमले के बाद, श्रद्धालु जगजीवन राम नगर पुलिस स्टेशन के बाहर जमा हो गए और विरोध प्रदर्शन किया।

घने कोहरे से हाईवे पर हादसा, दो की मौत

आगरा, एजेंसी। ग्वालियर हाईवे पर इरादतनगर क्षेत्र में घने कोहरे के कारण हुए भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भयावह था कि कई वाहन आपस में टकरा गए, जिससे हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। हादसे में विष्णु निवासी बाद, थाना मलपुरा तथा इमरान निवासी किरावली की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

असम और त्रिपुरा में तेज भूकंप, तड़के हिली धरती

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत समेत पूरी दुनिया में बीते कुछ समय से भूकंप की घटनाओं में तेज बढ़ोतरी देखने को मिली है। इस बीच अब दो राज्यों में आज तड़के तेज भूकंप के झटके लगे हैं। ये भूकंप पूर्वोत्तर भारत के राज्य असम और त्रिपुरा में आए हैं। नेशनल सेंटर फोर सिस्मोलॉजी की ओर से पहले त्रिपुरा में आए भूकंप के बारे में जानकारी दी गई है। संस्थान ने बताया है कि सोमवार को त्रिपुरा राज्य के गोमती में भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.9 मापी गई है। दी गई जानकारी के मुताबिक, ये भूकंप सोमवार को तड़के 3 बजकर 33 मिनट पर आया। भूकंप का केंद्र धरती से 54 किलोमीटर की गहराई पर था।

सदन में मास्क लगाकर पहुंचे आप विधायक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा का चार दिवसीय शीतकालीन सत्र आज उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण के साथ शुरू हुआ। सत्र की शुरुआत में ही एलजी के अभिभाषण के दौरान विपक्ष के विधायकों ने वायु प्रदूषण के मुद्दे पर हंगामा किया। इस हंगामे के कारण स्पीकर को कार्रवाई करनी पड़ी और विपक्ष के विधायकों को सदन से बाहर निकलवाना पड़ा। स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने कुलदीप कुमार, सोमदत्त और संजीव झा को सदन से बाहर निकालने का आदेश दिया। आम आदमी पार्टी वायु प्रदूषण के मुद्दे पर भारतीय भाजपा सरकार को घेरने की पूरी तैयारी में है, और इसी के चलते सदन में आप के विधायक मास्क लगाकर पहुंचे। यह शीतकालीन सत्र 8 जनवरी तक चलेगा, हालांकि जरूरत पड़ने पर इसे बढ़ाया भी जा सकता है।

आज का कार्टून

अमेरिकी राष्ट्रपति बोले - वेनेजुएला में वही होगा जो हम चाहते हैं

एक्टिंग प्रेसीडेंट डेल्सी को ट्रम्प की धमकी... मादुरो से भी बुरा हाल करेंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी

वेनेजुएला पर बड़ी सैन्य कार्रवाई और निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को मादुरो से भी बुरा हाल करने की धमकी दी है। ट्रम्प ने कहा, 'अगर डेल्सी वह नहीं करतीं जो वेनेजुएला के लिए अमेरिका सही मानता है, तो उनका हाल मादुरो से भी ज्यादा बुरा हो सकता है।' ट्रम्प ने यह बात द अटलांटिक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में कही है। एक दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि उनके विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने रोड्रिग्ज से बात की है। वे वेनेजुएला में लोगों का जीवन स्तर सुधारने के लिए अमेरिका की अपेक्षाओं पर काम करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनका बर्ताव नहीं सुधरा तो हम दूसरा हमला करेंगे।

हालांकि वेनेजुएला के राजनीतिक भविष्य को लेकर संशय बरकरार है। ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला की कमान अमेरिका संभालेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति से एक पत्रकार ने पूछा कि क्या वेनेजुएला में दूसरे ऑपरेशन की संभावना खत्म हो गई है। इसके जवाब में ट्रंप ने कहा, 'ऐसा नहीं है। अगर वे ठीक से बर्ताव नहीं करते हैं, तो हम दूसरा हमला करेंगे।' वहीं, मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका फिलहाल तेल क्वारंटीन और बड़े नौसैनिक तैनाती जैसे कदमों के जरिए वेनेजुएला सरकार पर दबाव बना रहा है।

अगला नंबर कोलंबिया का...

इतना ही नहीं डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला जैसी एक और कार्रवाई कोलंबिया में भी करने का संकेत दिया है। उन्होंने कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो पर तंज कसते हुए कहा कि वह देश एक बीमार शख्स के शासन में है। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने वेनेजुएला पर अमेरिकी सैन्य अभियान की आलोचना की थी। इस पर भड़के राष्ट्रपति ट्रंप ने पेट्रो को चेतावनी देते हुए कहा कि वे अपनी जान बचाएं। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या अमेरिका उस देश के खिलाफ सैन्य अभियान चलाएगा, तो उन्होंने जवाब दिया, 'ऐसा अभियान मुझे अच्छा लगता है।' उन्होंने कहा, 'कोलंबिया भी बहुत बीमार है और वहां एक बीमार आदमी का शासन है। उसे कोकीन बनाना और उसे अमेरिका को बेचना पसंद है। वह इसे बहुत लंबे समय तक नहीं कर पाएगा।'

मादुरो और पत्नी की आज कोर्ट में पेशी

वेनेजुएला की राजधानी काराकास में आधी रात को चलाए गए अभियान में देश के नेता निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार किया गया था। दोनों की आज एक अदालत में मादक पदार्थों से संबंधित आतंकवाद की साजिश के मामले में मुकदमे में पेशी होनी है।

क्यूबा के 32 अधिकारी मारे गए

क्यूबा की सरकार ने जानकारी दी कि वेनेजुएला में अमेरिकी के सैन्य ऑपरेशन में क्यूबा के 32 अधिकारी मारे गए हैं। सरकारी टीवी पर जारी किए गए बयान में बताया गया है कि वेनेजुएला सरकार के अनुरोध पर चलाए जा रहे एक मिशन पर क्यूबा के मिलिट्री और पुलिस अधिकारी वेनेजुएला में तैनात थे। आपको बता दें कि क्यूबा वेनेजुएला सरकार का करीबी सहयोगी है और सालों से वहां ऑपरेशन्स में मदद के लिए मिलिट्री और पुलिस बल भेजता रहा है।

'वेनेजुएला पर नहीं करेंगे राज'

अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला करने और निकोलस मादुरो को पकड़ने के बाद बड़ा ऐलान किया था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका वेनेजुएला को तब तक चलाएगा, जब तक कि विवेकपूर्ण सत्ता परिवर्तन नहीं हो जाता। अब अमेरिका ने इस मामले में पलटी मार ली है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि वेनेजुएला के शासन में उनके देश की कोई भूमिका नहीं होगी। वहां इस मामले में आज एक आपात बैठक होगी।

सोमनाथ विध्वंस के 1000 साल पूरे

पीएम मोदी का ब्लॉग नेहरू पर कसा तंज

नईदिल्ली, एजेंसी

सोमनाथ मंदिर के विध्वंस के 1000 साल पूरे होने पर पीएम मोदी ने खास ब्लॉग पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने मंदिर के विध्वंस और पुनरुत्थान की कहानी का स्मरण किया है। मंदिर के पुनर्निर्माण से जुड़ा एक किस्सा शेयर करते हुए पीएम ने देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर भी तंज कसा। पीएम ने कहा कि नेहरू मंदिर को फिर से बनाने के पक्ष में नहीं थे।

विस्तृत पेज 8

कोर्ट पहुंचेगा महाराष्ट्र निकाय चुनाव मामला

मुंबई। महाराष्ट्र महानगरपालिका चुनावों में महायुति के उम्मीदवारों की निर्विरोध जीत अब कानूनी पचड़े में फंसती दिख रही है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने इसे लेकर बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर करने का फैसला लिया है। मनसे नेता अविनाश जाधव आज यानी गुरुवार बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर करेंगे।

हाईकोर्ट के बाद सर्वोच्च अदालत से भी नहीं मिली राहत

जेल में ही रहेंगे दिल्ली दंगों के आरोपी उमर और शरजील

ट्रंप के दौरे के समय साजिश: जांच एजेंसियों ने अदालत को बताया था कि दिल्ली दंगे की साजिश अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत दौरे के समय रची गई थी। पुलिस के मुताबिक, नागरिकता संशोधन कानून को जानबूझकर मुद्दा बनाया गया ताकि अंतरराष्ट्रीय मीडिया का ध्यान खींचा जा सके।

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने आज दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने इन दोनों के अलावा शेष 5 आरोपियों को जमानत दे दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'अनुच्छेद 21 संवैधानिक व्यवस्था में एक खास जगह रखता है। ट्रायल से पहले जेल को सजा नहीं माना जा सकता।' स्वतंत्रता से वंचित करना मनमाना नहीं होगा। UAPA एक खास कानून के तौर पर ट्रायल से पहले जमानत दी जा सकती है।' सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले 10 दिसंबर, 2025 को सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

उमर खालिद, शरजील इमाम को छोड़कर गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को जमानत मिली है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली दंगों के आरोपी 5 साल से अधिक समय से तिहाड़ में बंद हैं। इन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उन्हें गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत जमानत देने से इनकार किया गया था। 2 जनवरी को न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी का उमर खालिद को लिखा लेटर सामने आया था, जिस पर काफी विवाद हुआ। ममदानी ने 1 जनवरी को शपथ ली थी। अगले दिन उनका लेटर सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसमें उन्होंने उमर के साथ एकजुटता दिखाते हुए लिखा- था कि हम सभी आपके बारे में सोच रहे हैं।

सीएम मोहन करेंगे निवेशकों से संवाद

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज जयपुर के प्रदर्शनी और सम्मेलन केंद्र (जेईसीसी) में आयोजित राजस्थान डिजीफेस्ट-टीआईई ग्लोबल समिट-2026 में हिस्सा ले रहे हैं। इसमें प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल के साथ तकनीक और निवेश के अवसरों के बारे में चर्चा हो रही है। मुख्यमंत्री प्रदेश में प्रमुख तकनीकी क्षेत्रों में होने वाले निवेश के अवसरों को वैश्विक निवेशकों और उद्योग जगत के लोगों के साथ साझा करेंगे। इस दौरान वे इनोवेशन एक एक्सपो का दौरा करेंगे।

इंदौर में दूषित पानी से 17वीं मौत 20 नए मरीज, हाईकोर्ट में सुनवाई

इंदौर, एजेंसी

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से 17वीं मौत हुई है। रिटायर्ड पुलिसकर्मी ओमप्रकाश शर्मा (69) मूलतः शिव विहार कॉलोनी धार के रहने वाले थे। वे अपने बेटे से मिलने इंदौर आए थे। उन्हें 1 जनवरी को उल्टी-दस्त के कारण एक प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था। जांच में उनकी किडनी का खराब होना पाया गया।

हालत और बिगड़ने पर 2 जनवरी को आईसीयू में एडमिट किया गया था और बाद में वेंटिलेटर पर लिया गया। रविवार को उनकी मौत हो गई। परिजन ने बताया कि वे सिर्फ ब्लड प्रेशर के मरीज थे। दूषित पानी से उनकी किडनी खराब हो गई थी। इसके बाद हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। वहीं, बॉम्बे हॉस्पिटल में 11 मरीज आईसीयू में भर्ती थे, जिनमें से 4 को वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। इस बीच उल्टी-दस्त के 20 नए मरीज मिले हैं। वर्तमान में विभिन्न अस्पतालों में 142 मरीजों का इलाज जारी है। इस मामले को लेकर प्रशासन ने हाईकोर्ट को स्टेटस रिपोर्ट सौंपी थी। इस रिपोर्ट पर कोर्ट आज सुनवाई कर रहा है।

आधार लिंक न होने पर आज से रेल टिकट बुकिंग में सख्ती

नईदिल्ली, एजेंसी

बिना आधार लिंक वाले IRCTC यूजर्स आज से सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक टिकट बुक नहीं कर पाएंगे। ये नियम केवल रिजर्व रेल टिकट बुकिंग खुलने के पहले दिन पर लागू होगा। रिजर्व टिकट की बुकिंग ट्रेन डिपार्चर की तारीख के 60 दिन पहले खुलती है। रेलवे इस नियम को तीन फेज में लागू कर रहा है। पहला फेज 29 दिसंबर से लागू हुआ था। वहीं दूसरा फेज में आज से शुरू हो गया है और तीसरा फेज 12 जनवरी से लागू होगा। 29 दिसंबर से बिना आधार सुबह 8 बजे से 12 बजे तक टिकट बुकिंग बंद की थी। आज से सुबह 8 से शाम 4 बजे तक टिकट बुकिंग पर पाबंदी रहेगी। 12 जनवरी से सुबह 8 से रात 12 बजे तक सभी यूजर्स की टिकट बुक नहीं होगी। इसका मकसद ओपनिंग डे पर ज्यादा से ज्यादा पैसेंजर्स को ऑनलाइन टिकट बुक करने का मौका देना है और फर्जी अकाउंट्स के जरिए होने वाली बुकिंग को रोकना है।

लालू को हाईकोर्ट से झटका ट्रायल पर रोक से इनकार

नईदिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। देश के चर्चित आईआरसीटीसी घोटाला केस में दिल्ली हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने लालू प्रसाद यादव के खिलाफ ट्रायल (मुकदमा) पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। ट्रायल कोर्ट ने इस चर्चित केस में लालू यादव पर भ्रष्टाचार और आपराधिक साजिश के आरोप तय किए हैं। ट्रायल कोर्ट की इस कार्यवाही के खिलाफ लालू प्रसाद यादव ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। लेकिन लालू यादव को हाईकोर्ट से झटका लगा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान सीबीआई को नोटिस भी जारी किया है। इस मामले में अगली सुनवाई 14 जनवरी को होगी।

मेट्रो एंकर — मणिपुर के एक छोटे से गांव की हैं इतिहास रचने वाली एनोनी, पिता करते हैं सिक्यरिटी गार्ड की नौकरी

माओ नागा समुदाय की पहली बेटी ने पहनी सेना में अफसर की वर्दी

इम्फाल, एजेंसी

मणिपुर के एक छोटे से गांव रालुनामेई की एक युवा लड़की सी. एनोनी ने महज 22 साल की उम्र में भारतीय सेना में ऑफिसर बनकर इतिहास रच दिया है। वह अपने समुदाय की पहली लड़की हैं, जिन्होंने सेना में जाने का अपना सपना पूरा किया है। एनोनी को चेन्नई में ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी में ट्रेनिंग पूरी करने के बाद कमीशन मिल गया है।

पासिंग आउट परेड के दौरान इस मौके का जश्न मनाया गया, जिससे उनके परिवार और उनके राज्य को गर्व महसूस हुआ, जो संघर्ष से प्रभावित रहा है। एनोनी की सक्सेस स्टोरी उन तमाम लड़कियों के लिए प्रेरणा है जो गांव से निकलकर देश सेवा का जज्बा रखती हैं। एनोनी, माओ नागा समुदाय से आती हैं। यह उत्तर-पूर्वी भारत के मणिपुर और नागालैंड राज्यों में बसी एक नागा जनजाति है। यह समुदाय मुख्य रूप से मणिपुर के सेनापति जिले के उत्तरी हिस्से में है, जो नागालैंड से सटा हुआ है। बांस, मिट्टी और फूस से बने घर और सुंदर पारंपरिक पोशाक इनकी पहचान है। इस समुदाय की आबादी एक लाख से ऊपर है, जिनमें से एनोनी पहली लड़की हैं सेना में अफसर बनने का अवसर मिला है।

आठवीं कक्षा में देखा था सपना

एनोनी के पिता सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते हैं, जिससे 8 लोगों का खर्च चलता है। इससे पहले उनके पिता सेना में सिपाही रह चुके थे, लेकिन रिटायर होने के बाद परिवार का खर्च चलाने के लिए सिक्योरिटी गार्ड का काम करने लगे। इन हालात में एनोनी ने सपने देखे और उन्हें पूरा करने के लिए जी-जान लगा दी। वे 6 बच्चों में सबसे छोटी हैं। उनका बचपन मुश्किलों से भरा हुआ था। फिर भी उन्होंने स्कूल में 8वीं क्लास में सेना में जाने का सपना देखा। तभी इंडियन आर्म्ड फोर्सेज की यूथ विंग, नेशनल कैडेट कॉर्प्स ने महिलाओं को कॉर्प्स का हिस्सा बनने की इजाजत दी। एनोनी स्कूल में हुए इस बदलाव के बाद शामिल हुई और फिर इष्ट सीनियर विंग का हिस्सा बनने के लिए दिल्ली आ गईं। अब 22 साल की उम्र में एनोनी माओ नागा समुदाय की पहली महिला बन गई हैं जो भारतीय सेना में अधिकारी के तौर पर चुनी गई। मणिपुर के एक छोटे से गांव से भारतीय सेना तक का सफर मेहनत, त्याग और साहस की मिसाल है।

मैदान में उतरे निगम के अमले ने 210 जगहों से लिए पानी के सैंपल, चैंबर की जांच भी की

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

इंदौर में दूषित पानी पीने से 15 लोगों की जान चली गई। ऐसा ही खतरा भोपाल में भी मंडरा रहा है। शहर के कई इलाकों में दूषित पानी संबंधित शिकायतें सामने आ रही हैं। ऐसे में नगर निगम का अमला मैदान में उतरकर जांच में जुटा है। रविवार को छुट्टी वाले दिन भी निगम टीमें शहर में घूमी और पानी के सैंपल लिए। विभिन्न झुग्गी बस्तियों सहित शहर के 210 स्थानों से जल के नमूने लेकर 8 प्रयोग शालाओं के माध्यम से परीक्षण किया गया। साथ ही 45 स्थानों पर सीवेज चैंबरों की सफाई कराई। वहीं, सीएम हेल्पलाइन एवं महापौर हेल्पलाइन के जरिए मिली 52 शिकायतों को संतुष्टिपूर्ण ढंग से निराकरण करके बंद किया गया। 24 स्थानों पर पाइप लाइनों में लीकेज भी सुधारे। झुग्गी बस्तियों से लिए गए 26 जल के नमूनों सहित 210 स्थानों से लिए गए जल के नमूनों का परीक्षण किया गया और सभी परीक्षणों में जल की गुणवत्ता उपयुक्त पाई गई। इससे पहले शनिवार को शहर के 258 स्थानों से जल के नमूने लेकर परीक्षण किया था। जिसमें जल की गुणवत्ता उपयुक्त पाई गई। जलकार्य विभाग के अमले ने 138 स्थानों पर पाइप लाइनों में लीकेज सुधार का कार्य किया और बड़ी टंकियों व सम्प टैंक की सफाई भी की।

कई जगहों पर मटमैले पानी की शिकायत

जानकारी के अनुसार, कई जगहों पर एचएफए योजनाओं, जेएनएनयूआरएम, अवैध कॉलोनियों, झुग्गियों, हाउसिंग बोर्ड और बीडीए कॉलोनियों में सीवेज-पानी लाइनें आसपास ही है। वहीं, करोंद, ईदगाह हिल्स व 12 नंबर क्षेत्र की मल्टियों में वाल्व सीवेज में डूबे रहते हैं। इसके चलते नगर निगम कॉल सेंटर और सीएम हेल्पलाइन पर हर महीने गंदे पानी की औसत 10 शिकायतें दर्ज हो रही हैं। ईदगाह हिल्स के वाजपेयी नगर, करोंद की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, रोशनपुरा और नीलबड़ की स्वास्तिक नगर कॉलोनी के रहवासियों ने भी गंदे पानी की सप्लाई की शिकायत की है। लोगों का कहना है कि नलों से बदबूदार और मटमैला पानी आता है, जिसे इस्तेमाल करना मुश्किल हो जाता है। निगम अमले ने सीएम हेल्पलाइन पर जलप्रदाय से संबंधित 13 शिकायतों एवं महापौर हेल्पलाईन के माध्यम से प्राप्त 5 शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण ढंग से निराकरण भी किया। इंदौर में हुए मामले के बाद भोपाल में भी इंजीनियर ऐसी लाइनों को ढूंढ रहे हैं। महापौर मालती राय ने सब इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर और सुपरवाइजरों को निरीक्षण करने को कहा है। वहीं, अधीक्षण यंत्री और कार्यपालन यंत्री को नजर रखने को कहा है। जिससे पता चल सके कि कहीं दूषित पानी की सप्लाई तो नहीं की जा रही है। निरीक्षण के बाद रिपोर्ट देने के आदेश भी दिए हैं। इसके चलते शनिवार को भी टीमें मैदान में रहीं और गंध, रंग, स्वाद, रेसिडुअल क्लोरीन, पीएच, टरबीलिटी व बैक्टेरियल जांच भी की। जिसमें रेसिडुअल क्लोरिन पर्याप्त मात्रा में पाई गई। साथ ही अन्य सभी मानक उपयुक्त पाए गए। निगम अमले ने 31 दिसंबर से वर्तमान तक सभी जोन क्षेत्रों के कुल 721 स्थानों से जल के नमूने लेकर परीक्षण किया गया। जिसमें जल की गुणवत्ता उपयुक्त पाई गई।

सूची शुद्धिकरण अभियान: 1.16 लाख वोटरों की अग्निपरीक्षा आज से

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आज से शहर के सभी 85 वार्ड कार्यालयों, तहसील और नजूल दफ्तरों में सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी इन नो-मैपिंग मतदाताओं की दलीलें सुनी जा रही है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक लाख से ज्यादा ऐसे मतदाता हैं, जो निर्वाचन आयोग के डिजिटल नक्शे पर लापता हैं। अगर आप भी उनमें से एक हैं तो सोमवार से आपकी नागरिकता और मतदान के अधिकार की सुनवाई शुरू हो रही है। दरअसल, भोपाल की मतदाता सूची का शुद्धिकरण अभियान चल रहा है। इस प्रक्रिया में 1,16,925 मतदाता ऐसे पाए गए हैं, जिनका पता डिजिटल मैप से मेल नहीं खा रहा है। आसान भाषा में कहें तो सरकारी रिकॉर्ड में आप हैं, पर आपका घर कहां है, इसकी सटीक मैपिंग नहीं हो पा रही है। ऐसे नो मैपिंग वाले मतदाताओं की सुनवाई सोमवार से शुरू हो रही है। सोमवार सुबह से भोपाल के सभी 85 वार्ड कार्यालयों, तहसील और नजूल दफ्तरों में सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी इन नो-मैपिंग मतदाताओं की दलीलें सुनेंगे। जिला निर्वाचन कार्यालय अब तक 50 हजार से ज्यादा लोगों को उनके घर पर नोटिस थमा चुका है। वहीं आपके इलाके के बीएलओ घर-घर जाकर नोटिस बांट रहे हैं ताकि कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए।

मतदाताओं का जागरूक होना जरूरी

यह आंकड़ा चौंकाने वाला है। प्रशासन अब तक सूची से 4.38 लाख फर्जी या अपात्र नाम काट चुका है। ऐसे में अगर आपके पास नोटिस आया है और आप सुनवाई में नहीं पहुंचते, तो मुमकिन है कि अगली बार आप पोलिंग बूथ पर अपना नाम न ढूंढ पाएं। बीएलओ पर काम का बोझ बड़ा है। सर्वर की अपनी सीमाएं हैं, लेकिन एक जागरूक नागरिक के नाते यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप अपने वार्ड कार्यालय पहुंचें। याद रखिए, आपकी एक छोटी-सी लापरवाही आपको लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव यानी मतदान से बाहर कर सकती है। एक तरफ नाम काटे जा रहे हैं तो दूसरी तरफ नए जोड़ जा रहे हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय का अनुमान है कि दो लाख नए मतदाता इस बार जुड़ेंगे। फार्म-6 का वितरण जारी है। सुनवाई में जाते समय साथ रखें ये दस्तावेज: अगर आपको नोटिस मिला है, तो वार्ड दफ्तर खाली हाथ न जाएं। आपको भारत की नागरिकता प्रमाणित करने के लिए ये दस्तावेज दिखाने होंगे। आधार कार्ड या पासपोर्ट। निवास प्रमाण पत्र (बिजली बिल/राशन कार्ड)।

गांधी मेडिकल कॉलेज में सम्मेन का आयोजन

फोरेंसिक मेडिसिन में नई तकनीकी और नवाचार पर चर्चा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी के गांधी मेडिकल कॉलेज में मेडिको लीगल एक्सपर्ट्स एसोसिएशन के 8वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन की थीम फोरेंसिक मेडिसिन में नई तकनीकी सीमाएं नवाचार एवं एकीकरण रही, जिसमें देशभर से आए फोरेंसिक मेडिसिन विशेषज्ञों ने पोस्टमार्टम सूक्ष्मजैविकी वर्चुअल पोस्टमार्टम फोरेंसिक ऊतक विकृति विज्ञान और विषविज्ञान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान दिए। वहीं मेडिको लीगल परामर्श के महत्व पर हुई चर्चा में उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश वेद प्रकाश शर्मा ने महत्वपूर्ण कानूनी पहलुओं पर प्रकाश डाला। सम्मेलन में रिसर्च पेपर और पोस्टर प्रस्तुतियों में जीएमसी भोपाल के मिहिर राय को बेस्ट पेपर और वर्षा अग्रवाल को बेस्ट पोस्टर अवॉर्ड मिला। आयोजन समिति ने बताया कि इस तरह के सम्मेलन छात्रों और संकाय सदस्यों के ज्ञानवर्धन में अहम भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर राज्यमंत्री लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा कि फोरेंसिक मेडिसिन में तकनीक का उपयोग न्याय प्रक्रिया को अधिक सटीक और प्रभावी बना सकता है, लेकिन इसका प्रयोग संतुलन और सावधानी के साथ होना चाहिए। सत्रों के दौरान प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर आयोजित पैनल चर्चा में विशेषज्ञों ने इसे सहायक उपकरण के रूप में अपनाने पर जोर दिया।

जीवनशैली से जुड़ी समस्याओं के समाधान पर चर्चा

एम्स में जनसामान्य को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सिद्ध चिकित्सा पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को प्राकृतिक और आयुष आधारित तरीकों से स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। सामान्य स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से बचाव के लिए सिद्ध चिकित्सा एक प्रभावी और सरल रास्ता दिखाती है। इसी सोच के साथ एम्स के आयुष विभाग द्वारा 9वें सिद्ध दिवस के अवसर पर सिद्ध फॉर ग्लोबल हेल्थ विषय पर यह जनजागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें सिद्ध चिकित्सा पद्धति का परिचय दिया गया और इसके माध्यम से सामान्य स्वास्थ्य, मानसिक शांति और जीवनशैली से जुड़ी समस्याओं के समाधान पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में आयुष ओपीडी में उपचार के लिए आए मरीजों के साथ उनके परिजन भी शामिल हुए। सत्र के दौरान डॉ. ऐश्वर्या ए ने बताया कि कैसे दैनिक जीवन में छोटे बदलाव कर स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है। प्रतिभागियों को पारंपरिक हर्बल पेय वितरित किया गया और इसके लाभ समझाते हुए चाय और कॉफी के स्थान पर हर्बल पेय अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

बैंकों में 5 डे वीक वर्किंग की मांग को लेकर धरना

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह यानी, 5 डे वीक वर्किंग की मांग को लेकर आज भोपाल में बैंककर्मी धरना दिया। वे एमपी नगर में इकट्ठा हुए। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि यदि केंद्र सरकार जल्द मांग को नहीं मानती है तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल भी जा सकते हैं। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस मध्यप्रदेश के को-ऑर्डिनेटर वीके शर्मा ने बताया कि यूनियंस के आह्वान पर देशभर के बैंक अधिकारी-कर्मचारी आंदोलनरत हैं। यूनियंस के पदाधिकारी शर्मा ने बताया, यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने बैंक की शाखा और कार्यालयों में कार्यरत बैंकिंग उद्योग के 10 लाख बैंक कर्मचारी और अधिकारियों पर बढ़ते तनाव और दबाव के कारण पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह शुरू करने की मांग की थी।

घने कोहरे से नहीं मिल रही निजात

भोपाल। राजधानी में लगातार चौथे दिन भी सुबह कोहरा छाया रहा। सुबह 8 बजे तक दृश्यता सिर्फ 20 मीटर थी।

रवींद्र भवन के सभागार में म्यूजिकल नाइट

क्या हुआ तेरा वादा, वो कसम वो इरादा...

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रवींद्र भवन के सभागार में इनर ग्लो सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वावधान में उड़ान म्यूजिकल ग्रुप ने एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत किए। मेघा छाए आधी रात बुझ गए दीपक सारे, मेरा मन, क्या हुआ तेरा वादा वो कसम वो इरादा... गीत सुनाए गए। दर्शक बर्मन युग की उस भावनात्मक दुनिया में उतर गए, जहां हर सुर दिल से निकलकर दिल में उतरता है। कार्यक्रम की शुरुआत मानसी इंगले की प्रस्तुति मेघा छाए आधी रात से हुई, जिसने माहौल को गंभीर और संगीतमय बना दिया। इसके बाद श्याम गर्ग ने हमें तुमसे प्यार कितना और जिंदगी के सफर में गुजर जैसे गीतों से श्रोताओं को बर्मन युग में लौटा दिया। प्रमोद निगम की आवाज में तेरे मेरे सपने अब एक रंग हैं सुनकर सभागार तालियों से गूंज उठा। महिला गायिकाओं में मोना घुले ने होठों पे ऐसी बात और पिया तोसे नैना लागे में भावनाओं की गहराई दिखाई। जबकि उमा चौबे ने जाने जां ओ मेरी जाने से समां बांधा। एम एस जयशंकर की ये रात ये चांदनी फिर कहां और राजेश मनुजा का इक दिन बिक जाएगा माटी के मोल सुनकर कई श्रोता भावुक नजर आए। कार्यक्रम के संयोजक अजय सरवईकर ने फूलों के रंग से दिल की और सामने ये कौन आया जैसे गीतों में सक्रिय सहभागिता की। अंत में सामूहिक गीत जानू मेरी जान और जिंदगी मिल के बिताएंगे पर पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। संगीत प्रेमियों के लिए सुरों की विरासत कार्यक्रम में एसडी बर्मन और पंचम दा की अमर धुनों ने पूरे को भावनाओं से भर दिया। द्वारा आयोजित रविवार को संगीतमय संध्या में हर गीत बीते दौर की यादों को ताजा करता नजर आया।

राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में लोसार महोत्सव का समापन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में आयोजित लोसार महोत्सव का समापन हुआ। लोसार महोत्सव 2026 के संयोजक श्रीकांत ने बताया कि लोसर महोत्सव ने न केवल हिमालयी समुदायों की सांस्कृतिक पहचान को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया, बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान, आपसी समझ और सांस्कृतिक संवेदनशीलता को भी प्रोत्साहित किया। तीन दिवसीय इस महोत्सव ने हिमालयी क्षेत्रों विशेषकर लद्दाख एवं सिक्किम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोकनृत्यों, अनुष्ठानों और पारंपरिक खानपान को सजीव रूप में प्रस्तुत किया। इस आध्यात्मिक अनुष्ठान का मार्गदर्शन संग्रहालय के निदेशक प्रो. अमिताभ पांडे द्वारा किया गया, जिससे कार्यक्रम को विशेष गरिमा एवं सांस्कृतिक महत्व प्राप्त हुआ। निदेशक ने कहा संग्रहालय में हमने देश की उस संस्कृति को प्रदर्शित किया, जिस क्षेत्र में लोग बहुत कम पहुंच पाते। समापन समारोह कार्यक्रम का संचालन संग्रहालय के पब्लिकेशन ऑफिसर डॉ. मो रेहान द्वारा किया गया। उन्होंने कहा रसोई चांसा, जो इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में प्रदर्शित है, केवल एक साधारण रसोईघर नहीं है, बल्कि यह लद्दाखी जीवन-दर्शन, सामुदायिक चेतना और संस्कृति आत्मा का जीवंत प्रतीक है।

मेट्रो एंकर | चेतना सभागार में नाटक 'गांधारी' का मंचन, प्रभावी प्रस्तुति ने दर्शकों को भीतर तक झकझोरा

मंच पर रथ के निर्माण से उभरी कुरुक्षेत्र के युद्ध की छाया

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

चेतना सभागार में नाटक गांधारी का मंचन किया गया। नाटक ने दर्शकों को अपने प्रभावी प्रस्तुति से भीतर तक झकझोर दिया। नीलबड़ स्थित चेतना सभागार में मंचित इस नाटक ने महाभारत को गांधारी की दृष्टि से मंच पर उतारा। नाटक की प्रस्तुति सादगी में गहरी रही। जब मेरे स्वामी अंधे हैं, तो मैं भी संसार नहीं देखूंगी, आंखों पर बंधी पट्टी बांधे जब गांधारी ने ये पंक्तियां कही तो सभागार में सन्नाटा छा गया। मंच पर जब रथ का निर्माण होता है और युद्ध की छाया उभरती है तो दर्शक खुद को कुरुक्षेत्र के बीच खड़ा महसूस करता है। नाटक में द्रौपदी चीरहरण और दुशासन वध जैसे प्रसंग बेहद प्रभावी ढंग से सामने आते हैं। सीमित साधनों में रचे गए दृश्य कल्पना को विस्तार देते हैं। नाटक की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि चार महिला कलाकारों ने भीम, युधिष्ठिर, भीष्म, धृतराष्ट्र और कृष्ण जैसे पात्रों को निभाया। उनके हाव भाव और संवाद अदायगी इतनी सशक्त रही कि मंच पर कलाकारों की संख्या का आभास ही नहीं हुआ। गांधारी के रूप में कलाकारों ने मौन संकल्प और पश्चाताप को गहरी संवेदना के साथ प्रस्तुत किया। गांधारी एक ऐसी प्रस्तुति रही जिसने दर्शकों को सोचने पर मजबूर किया कि इतिहास के फैसले कैसे एक स्त्री के मौन से बदल गए। कथा में रामधारी सिंह दिनकर की कविताओं का प्रभाव नाटक को और भावपूर्ण बनाता है। एक घंटे से कुछ अधिक समय में महाभारत की विराट कथा को समेटना अपने आप में चुनौतीपूर्ण था। लेकिन निर्देशक आशीष श्रीवास्तव सहित कलाकारों ने इसे सफल बनाया।

कल्चरल सोसायटी और अंतराल थिएटर ग्रुप के एकल नाट्य 'कटोरा' की प्रस्तुति

कल्चरल सोसायटी और अंतराल थिएटर ग्रुप की एकल नाट्य प्रस्तुति कटोरा का मंचन किया गया। सीमित मंच सज्जा में कंचन विश्वास की व्यवस्था और सोनू साहा की प्रकाश परिकल्पना ने भावनाओं को सघन बनाया। शतांशु पाल का संगीत मंच की संवेदनशीलता को और गहराई देता है। ख्याल कलाप्रेमियों का के बॉक्स थिएटर में मंचित इस नाटक में उन्नीस वर्षीय संवेदनशील युवक अद्वय की भीतरी यात्रा को बेहद सादगी और गहराई के साथ प्रस्तुत किया गया। अद्वय कविताओं की दुनिया में जीता है और एक पुराने कविता संग्रह से जुड़कर उसे लगने लगता है कि कविताओं की अनुभूतियां उसके जीवन में घट रही हैं। हाथ में खाली कटोरा लिए मंच पर खड़ा अद्वय जब कहता है कि प्रेम मांग नहीं मुक्ति है तो पूरा बॉक्स थिएटर कुछ पल के लिए खामोश हो जाता है। आन्या से उसका प्रेम अधूरा रह जाता है और उसके जाने के बाद वह अकेलेपन और अवसाद में डूब जाता है। इसी टूटन के बीच उसका सामना एक बूढ़े कवि से होता है जो धीरे धीरे उसके ही भीतर की रचना के रूप में सामने आता है। संवादों के जरिए अद्वय यह स्वीकार करता है कि प्रेम किसी से कुछ पाने का आग्रह नहीं बल्कि स्वयं को मुक्त करने की अवस्था है। उत्सव हंडे द्वारा लिखित और निर्देशित यह एकल नाट्य प्रस्तुति पूरी तरह अभिनय के बल पर खड़ी नजर आती है। अद्वय के रूप में उत्सव हंडे का अभिनय संयमित और प्रभावी रहा।

मुख्यमंत्री ने आधी रात रैन बसेरों का किया निरीक्षण

गरीबों-जरूरतमंदों को बांटे कंबल, गर्म चाय भी परोसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार की रात भोपाल के तलैया स्थित यादगार-ए-शाहजहांनी पार्क रैन बसेरे का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने रैन बसेरे में गरीबों, जरूरतमंद, बेसहारा और यहां रात्रि विश्राम करने आए राहगीरों से आत्मीय चर्चा की। मुख्यमंत्री ने सबके हालचाल और दुःख-दर्द जाने एवं सभी को अपने हाथों से गर्मागर्म चाय पिलाकर सर्दी से बचाव के लिए गर्म कंबल भी वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रैन बसेरा जाते समय सबसे पहले पुलिस मुख्यालय के सामने लाल परेड ग्राउंड के गेट नम्बर 4 शौर्य द्वार में उपस्थित महिलाओं और बुर्जुगों से बात की, उनकी कुशलक्षेम जानी और सभी को कंबल वितरित किए। इसके बाद मुख्यमंत्री तलैया स्थित काली मंदिर पहुंचे और वहां बड़ी संख्या में उपस्थित सभी गरीबों और जरूरतमंदों को भी कंबल वितरित किए। मुख्यमंत्री के पूछने पर एक जरूरतमंद ने बताया कि वह सब्जी बेचने भोपाल आए थे, सर्दी भी तेज है और रात भी हो गई है, तो अब वे इसी मंदिर परिसर में रात बिताएंगे। कुछ ने बताया कि वे किसी जरूरी काम से आए थे, सिर्फ रात बिताने के लिए उन्होंने काली मंदिर परिसर में शरण ली है।

ठंड से बचने की अपील

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए सभी जरुरतमंदों को कंबल एवं गर्म कपड़े देकर सर्दी से जितना अधिक हो सके, बचने की अपील की। गरीबों, जरूरतमंदों, बेसहारा और राहगीरों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस आत्मीयता और संवेदनशीलता की सराहना करते हुए उनके प्रति हृदय से आभार व्यक्त कर आशीष भी दिया।

एमपी में स्ट्रीट वेंडर्स के लिए पीएम स्वनिधि 2.0

बैंक लौटाएंगे ब्याज का काटा पैसा, 14 फीसदी की ब्याज दर पर मिलेगा लोन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पीएम मोदी की महत्वाकांक्षी पीएम स्वनिधि योजना के हितग्राहियों को अब एमपी सरकार 14 फीसदी ब्याज दर पर लोन देने की तैयारी कर रही है। इसके अलावा जिन हितग्राह्यिों को बैंकों ने ब्याज की रकम काटकर लोन दिया था उन्हें अब ये राशि वापस लौटाई जाएगी। योजना की नोडल एजेंसी नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के मुताबिक ये राशि करीब 120 करोड़ रुपए है। दरअसल, पीएम स्वनिधि योजना ऐसे छोटे स्ट्रीट वेंडर्स के लिए हैं, जिन्हें अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए छोटे लोन की जरूरत पड़ती है। योजना के तहत केंद्र 7 फीसदी ब्याज सब्सिडी देता है और बैंक का बाकी बचा ब्याज अनुदान मप्र सरकार देती है। हितग्राहियों को शून्य ब्याज पर पूरी रकम देने का प्रावधान है, लेकिन कुछ बैंक हितग्राहियों को ब्याज की रकम काटकर ये राशि दे रहे थे। सूत्र बताते हैं कि इसकी वजह से हितग्राहियों का योजना से मोहभंग हो रहा था। इसे देखते हुए राज्य सरकार की तरफ से वित्त मंत्रालय को पत्र लिखा गया। मंत्रालय ने राज्य सरकार से अपर कैप लगाने की सहमति दे दी है यानी अब हितग्राहियों को 14 फीसदी ब्याज दर पर ही लोन मिलेगा और बैंक बिना ब्याज काटे ये राशि हितग्राहियों को देंगे।

पीएम स्वनिधि योजना में क्यों पड़ी बदलाव की जरूरत?

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना को केंद्र सरकार ने कोविड-19 महामारी से प्रभावित हुए रेहड़ी-पटरी वालों को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए शुरू किया था। ये एक माइक्रो-क्रेडिट योजना है। इसका मुख्य उद्देश्य छोटे व्यापारियों को बिना किसी गारंटी के कार्यशील पूंजी(वर्किंग कैपिटल) उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपना व्यवसाय फिर से शुरू कर सकें।

योजना का स्वरूप: इस योजना के तहत पहले 10 हजार, फिर 20 हजार और अंत में 50 हजार रुपए तक का लोन तीन चरणों में दिया जाता है।

ब्याज सब्सिडी: योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह प्रभावी रूप से एक शून्य-ब्याज लोन है। केंद्र सरकार लोन पर 7ॿ की ब्याज सब्सिडी देती है, और इससे ऊपर का जो भी ब्याज बैंक लगाता है, उसका वहन राज्य सरकार करती है।

डिजिटल प्रोत्साहन: डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए हितग्राहियों को प्रतिवर्ष 1200 रुपए तक का कैशबैक भी दिया जाता है।

पुराना लोन चुकाया तो नए के लिए पात्र: योजना के मुताबिक हितग्राही तीन महीने की समय सीमा में लोन की मूल राशि चुका देता है तो वह अगली बार 20 हजार रुपए के लोन के लिए पात्र होता है। यदि यह रकम तय समय पर जमा करता है तो वह 50 हजार रुपए तक के लोन के लिए पात्र होता है।

योजना में अब तक क्या हो रहा था

योजना के तहत मध्य प्रदेश में 32 सरकारी और निजी बैंक लोन बांट रहे थे। नियम के अनुसार, बैंकों को हर तीन महीने में सरकार से ब्याज सब्सिडी की राशि का दावा (क्लेम) करना होता है, जिसे सरकार सीधे हितग्राही के लोन खाते में डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर करती है। लेकिन, ज्यादातर बैंक इस प्रक्रिया का पालन करने के बजाय एक आसान रास्ता अपना रहे थे

ब्याज की एडवांस कटौती: बैंक हितग्राही को लोन देते समय ही ब्याज की अनुमानित राशि काटकर शेष रकम देते थे।

सब्सिडी क्लेम में देरी: वे सरकार से सब्सिडी का क्लेम 6 महीने या उससे भी अधिक समय के बाद करते थे। इस देरी के कारण कई बार हितग्राहियों के लोन अकाउंट बंद हो जाते थे और सब्सिडी की राशि उन तक कभी पहुंच ही नहीं पाती थी।

हितग्राहियों पर दोहरा बोझ: इससे स्ट्रीट वेंडर्स को न केवल कम लोन राशि मिलती थी, बल्कि वे उस ब्याज को भी चुका रहे थे जिसे सरकार को वहन करना था। इस वजह से उनका योजना के प्रति आक्रोश और उदासीनता बढ़ रही थी। कई हितग्राही 10 हजार का पहला लोन चुकाने के बाद 20 हजार के दूसरे लोन के लिए हतोत्साहित हो रहे थे।

मप्र एसआईआर: 42 लाख वोटरों के नाम कटने से भाजपा की बढ़ी चिंता

विधायक व सांसदों की रुचि नहीं अब पार्टी ने मंत्रियों को सौंप दी जिम्मेदारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में 42 लाख से ज्यादा वोटरों के नाम हटा दिए जाने से भाजपा की चिंता बढ़ गई है। इसको लेकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने माना है कि जनप्रतिनिधियों ने एसआइआर के कार्य में रुचि नहीं ली। नतीजतन, संगठन ने पार्टी के सांसद और विधायकों के प्रति नाराजगी व्यक्त की है। इसके साथ ही नई रणनीति के साथ प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्री सहित सभी मंत्रियों की संभागवार जिम्मेदारी तय की है। वे अब अपने-अपने प्रभार के संभागों में बूथ से लेकर जिला और संभाग स्तर तक एसआइआर के काम की समीक्षा करेंगे।

मतदाता सूची में 10 जनवरी तक अधिक से अधिक नाम जुड़वाने के प्रयास किए जाएंगे। इसके साथ ही पार्टीजनों को हर बूथ पर कम से कम 50 नए मतदाता बनाने का लक्ष्य दिया गया है। इसके लिए युवा मोर्चा की भी जिम्मेदारी तय की गई है। मोर्चा के कार्यकर्ता ऐसे युवाओं से संपर्क कर उनके नाम जुड़वाएंगे, जिन्होंने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है। दरअसल, प्रदेश में बड़ी संख्या में वोट हटाए जाने से राजनीतिक दलों को कई लोकसभा और विधानसभा सीटों पर समीकरण गड़बड़ाने की चिंता सता रही है। भाजपा भी इससे अछूती नहीं है। पार्टी ने उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला को रीवा और जगदीश देवड़ा को शहडोल व उज्जैन क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी है। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह को जबलपुर, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को इंदौर और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल को सागर की जिम्मेदारी दी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने भोपाल और नर्मदापुरम अपने पास रखा है।

विधानसभा क्षेत्रों में हारे प्रत्याशियों को भी सक्रिय किया

एसआइआर के कार्य में पार्टी के प्रदेश के सभी विधायक और विधानसभा क्षेत्रों के हारे हुए प्रत्याशियों को भी सक्रिय करके लगाया जाएगा। पार्टी के बूथ स्तरीय प्रतिनिधि (बीएलए) अनुपस्थित शिफ्टेड मृत (एएसडी) में अनुपस्थित, स्थानांतरित और मृत मतदाताओं को अपने स्तर पर सत्यापन भी करेंगे और कमियों को दूर कराएंगे। वर्तमान मतदाताओं के नाम यदि मतदाता सूची से हटाए गए हैं तो उन्हें जुड़वाया जाएगा।

ये अपने-अपने क्षेत्रों में यह सुनिश्चित कराएंगे कि मतदाता सूची में 10 जनवरी तक अधिक से अधिक नाम जोड़े जाए। बता दें कि प्रदेश में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश प्रभारी डा. महेंद्र सिंह और प्रदेश महामंत्री (संगठन) हितानंद लगातार एसआइआर के कार्य की निगरानी कर पार्टी के प्रभारियों के साथ आवश्यकता होने पर बीएलए तक से संवाद कर रहे हैं।

मुआवजे के लिए किसानों का अनूठा आंदोलन

भैंस के आगे बजाई बीन, कहा- जागो सरकार

बुरहानपुर। जिले की सबसे बड़ी मध्यम सिंचाई परियोजना पांगरी बांध के प्रभावित किसान उचित मुआवजे के लिए बीते तीन साल से संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन जल संसाधन विभाग और सरकार उनकी गुहार नहीं सुन रहे हैं। इसके चलते किसान तरह-तरह के अनूठे प्रदर्शन कर सरकार को नींद से जगाने का प्रयास कर रहे हैं। डॉ. रवि पटेल के नेतृत्व में किसानों ने एक बार फिर अनूठा आंदोलन किया। उन्होंने उतावली नदी के तट पर भैंसें बांधीं और उनके सामने बीन बजाई। किसानों ने कहा कि उनकी स्थिति भी कुछ इसी तरह की है, वे लगातार सरकार से अधिग्रहित भूमि का उचित मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी ओर ध्यान ही नहीं दे रही है। उन्होंने कहा, सरकार अब तो जागो और किसानों की मांग पूरी करो। इससे पहले 31 दिसंबर को भी बड़ी संख्या में किसानों ने एसडीएम नेपानगर के कार्यालय पहुंचकर हल्ला बोल आंदोलन किया था। इसके अतिरिक्त किसान शीर्षासन, पत्थर खाओ और भ्रष्टाचार की मटकी फोड़ने जैसे कई अनूठे विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं।

दोगुना मुआवजा दिया जाए

डॉ. रवि पटेल ने कहा कि भूमि अधिग्रहण कानून 2013 के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि की कीमत का दोगुना मुआवजा और अनुग्रह राशि देने का प्रावधान है। इस गणना के अनुसार, किसान प्रति हेक्टेयर कम से कम 25 लाख रुपये देने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस परियोजना में आदिवासी किसानों का शोषण किया जा रहा है और जब तक न्याय नहीं मिल जाता, वे संघर्ष करते रहेंगे। आंदोलन में नंदू पटेल, मान्या भिलावेकर, शुमला, मंसाराम, माधो नाटो, बद्री वास्कले, श्रीराम, सालिकराम भिलावेकर, संजय चौकसे सहित अन्य किसान शामिल थे।

भागीरथपुरा मुद्दाः कांग्रेस बड़े आंदोलन की तैयारी में,11 को आ सकते है राहुल

इंदौर। भागीरथपुरा मुद्दे पर प्रदेश की राजनीति भी गरमा गई है। कांग्रेस ने दूषित पेयजल के मामले में प्रदेश सरकार की घेराबंदी तेज कर दी है। रविवार को प्रदेश के कई जिलों में कांग्रेस ने प्रदर्शन किए, लेकिन इंदौर में प्रदर्शन नहीं हुए,जबकि शनिवार को पुलिस ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक रमेश मेंदोला के निवास पर पहरा लगाया था। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस इंदौर में बड़ा प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही है। प्रदेशभर से कांग्रेस के कार्यकर्ता इंदौर आएंगे। 11 जनवरी इसकी तारीख तय की गई है। आंदोलन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी शामिल हो सकते है। इसकी तैयारियां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शुरू कर दी है। वे रविवार को इंदौर आए और आंदोलन की रुपरेखा तैयार करने में जुट गए है। गांधी भवन में उन्होंने इस बारे में एक बैठक भी ली है।

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने अपनी ही पार्टी पर उठाए सवाल, बोले-

विपक्ष की जिम्मेदारी मजबूती से निभानी चाहिए थी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने ऐसा बयान दे दिया, जिससे राजनीतिक जगत में बड़ा भूचाल आ सकता है। उन्होंने अपनी ही पार्टी की भूमिका पर आत्ममंथन करते हुए कहा कि कांग्रेस को विपक्ष की जिम्मेदारी और मजबूती से निभानी चाहिए थी, लेकिन इसमें कहीं न कहीं कमी रही है। उन्होंने स्वीकार किया कि जनता की आवाज को और प्रभावी ढंग से उठाने में पार्टी को और सक्रिय होना होगा। जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि मौजूदा हालात के लिए सरकार की नीतियां और प्रशासनिक लापरवाही जिम्मेदार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम, महापौर और संबंधित अधिकारियों की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है और पूरे मामले में जिम्मेदार लोगों पर तत्काल एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस इस पूरे मामले की न्यायिक जांच कराएगी और पीड़ित लोगों को न्याय दिलाने के लिए हर संभव कदम उठाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस सिर्फ बयानबाजी तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि जमीन पर उतरकर संघर्ष करेगी। इसी क्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दुखित परिवारों से मिलने पहुंचे और उनकी समस्याएं सुनकर उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। कांग्रेस ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से इस्तीफे की मांग की है। इसके साथ ही महापौर और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को भी पार्टी ने जोर-शोर से उठाया है।

दोपहर मेट्रो | प्रदेश के 3600 मलबरी एवं 850 टसर कोकून उत्पादक कृषकों को स्व-रोजगार से जोड़ा

रेशम उत्पादन बढ़ाकर उपलब्ध कराए जा रहे हैं रोजगार के अवसर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने कहा है कि प्रदेश में रेशम का उत्पादन बढ़ाकर लोगों को रोजगार से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। विगत दो वर्षों में रेशम संचालनालय द्वारा निजी क्षेत्र में 231 एकड़ क्षेत्र में एवं शासकीय रेशम केन्द्रों पर 200 एकड़ क्षेत्र में नवीन मलबरी पौधरोपण किया गया है। साथ ही प्रदेश के 3,600 मलबरी एवं 850 टसर कोकून उत्पादक कृषकों को स्व-रोजगार से जोड़ा गया है।

राज्यमंत्री जायसवाल ने कहा कि पिछले दो वर्षों में 2.64 लाख किलोग्राम मलबरी कोकून एवं 31.51 लाख टसर कोकून का उत्पादन किया गया। प्रदेश में 5 हजार कृषकों को नवीन कोकून उत्पादन तकनीकी से प्रशिक्षित कर उल्लेखनीय कार्य किया गया है। प्रदेश में अभी तक 42 महिलाओं को रेशम उत्पादन से लखपति दीदी के रूप में चिन्हांकित किया गया है।राज्यमंत्री जायसवाल ने कहा कि आगामी तीन वर्षों में मलबरी कोकून उत्पादन में वर्तमान 1.50 लाख किलोग्राम से 4 लाख किलोग्राम स्तर तक वृद्धि की जायेगी। टसर कोकून उत्पादन में वर्तमान 40 लाख से 70 लाख तक की वृद्धि का लक्ष्य है। मलबरी पौधरोपण के क्षेत्र में अतिरिक्त नवीन 3500 एकड़ की वृद्धि की जाएगी। पचमढ़ी जिला नर्मदापुरम में रेशम इंटरप्रिटेशन सेंटर प्रारंभ होगा। रेशम उत्पादों का विक्रय ई-कामर्स प्लेटफार्म के माध्यम से प्रारंभ होगा। इसके अलावा नवीन प्राकृत शोरूम ग्वालियर, जबलपुर एवंइन्दौर में प्रारंभ होंगे।

रेशम समृद्धि कार्य-योजना

राज्यमंत्री जायसवाल ने कहा कि आगामी तीन वर्षों में 6 हजार 200 हितग्राहियों को कौशल उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करने की कार्य-योजना तैयार की गई है। प्रदेश में 150 एकड़ क्षेत्र में मलबरी पौधरोपण के लिए नर्सरी तैयार होगी। साथ ही 3 हजार 500 एकड़ क्षेत्र में नवीन मलबरी पौधरोपण एवं 16 नई बीज इकाइयों को प्रारंभ किया जाएगा। प्रदेश में 10 नई धागाकरण इकाइयों की स्थापना की जाएगी। धागाकरण, बुनाई, कार्यों हेतु नवीन उन्नत मशीनों की स्थापना होगी।

तेल, सत्ता और लोकतंत्र

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी और अमेरिका द्वारा देश के तेल संसाधनों पर खुली निगाह केवल एक विदेशी कार्रवाई नहीं है, यह वैश्विक राजनीति के उस कड़वे यथार्थ को उजागर करती है जहां लोकतंत्र, कानून और मानवाधिकार अक्सर कच्चे तेल की धार के आगे फीके पड़ जाते हैं। सवाल यह नहीं है कि मादुरो दोषी हैं या नहीं, सवाल यह है कि किसी संप्रभु देश के राष्ट्रपति को सैन्य हस्तक्षेप के जरिए पकड़कर दूसरे देश में मुकदमे के लिए ले जाना अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को किस दिशा में ले जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान इस पूरी कार्रवाई की मंशा को और स्पष्ट कर देते हैं। वेनेजुएला के जर्जर तेल ढांचे को सुधारने के नाम पर अमेरिकी कंपनियों के अरबों डॉलर के निवेश की घोषणा, दरअसल मानवीय सहायता से अधिक आर्थिक अवसरों की घोषणा लगती है। जब यह भी कहा जाता है कि वेनेजुएला का तेल चीन और अन्य देशों को बेचा जाएगा, तब यह संकट किसी 'तानाशाह बनाम लोकतंत्र' की लड़ाई कम और 'तेल बनाम नैतिकता' की कहानी अधिक प्रतीत होने लगता है। यह विरोधाभास भी कम चौंकाने वाला नहीं है कि एक ओर वेनेजुएला पर अमेरिकी प्रतिबंध पूरी तरह लागू बताए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उसी तेल को वैश्विक बाजार में उतारने की बात की जा रही है। प्रतिबंध किसके लिए हैं- देश की जनता के लिए या सत्ता में बैठे लोगों के लिए? यदि प्रतिबंध बने रहेंगे और मुनाफा विदेशी कंपनियां कमाएंगी, तो वेनेजुएला की आम जनता को इस 'पुनर्निर्माण' से क्या मिलेगा? चीन को लेकर ट्रंप की सहजता भी एक बड़ा संकेत है। वैश्विक मंच पर प्रतिद्वंद्वी माने जाने वाले देश जब ऊर्जा के सवाल पर सहज समझदारी दिखाते हैं, तो यह साफ हो जाता है कि भूराजनीति की असली भाषा सिद्धांत नहीं, संसाधन बोलते हैं। तेल की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना आज भी अंतरराष्ट्रीय रिश्तों की धुरी बना हुआ है। इस पूरे घटनाक्रम का असर भारत जैसे देशों पर भी पड़ना तय है। भारत वेनेजुएला से सीमित मात्रा में कच्चा तेल खरीदता रहा है। यदि अमेरिकी नियंत्रण में वहां से आपूर्ति बढ़ती है, तो भारत को अल्पकालिक लाभ मिल सकता है। लेकिन दीर्घकाल में यह निर्भरता एक नई असुरक्षा भी पैदा कर सकती है- क्या कल किसी और संसाधन को लेकर यही मॉडल अपनाया जाएगा? यदि तेल के बदले सत्ता बदली जा सकती है, तो अंतरराष्ट्रीय कानून और संप्रभुता की परिभाषा पर पुनर्विचार जरूरी है। वरना यह मिसाल आने वाले समय में और कई देशों के लिए चेतावनी बन सकती है।

जहरीले पानी को 'अमृत' बनाने की राष्ट्रीय चुनौती महानगरों से गांवों तक

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

भारत के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में कई बार सम्मानित इंदौर, इस समय एक गंभीर दूषित पानी संकट का सामना कर रहा है। शहर के इलाके में नल के पानी में गंदगी और सीवरेज मिला पानी मिलने की वजह से सैकड़ों लोग बीमार पड़े और कई जानें भी गईं। सैकड़ों लोग बीमार पड़े और उन्हें उल्टी-दस्त, बुखार, पेट दर्द जैसी गंभीर लक्षणों के साथ अस्पतालों में भर्ती कराया गया। हजारों लोग प्रभावित हैं, जिनमें कई बच्चों और बुजुर्गों सहित पूरे परिवार शामिल हैं। यह मामला सिर्फ इंदौर का स्वास्थ्य संकट नहीं है, बल्कि पूरे देश में जल गुणवत्ता, जल प्रबंधन और नागरिक सुरक्षा तंत्र की मजबूती पर प्रश्नचिह्न है। राजधानी दिल्ली सहित उत्तर प्रदेश , बिहार , महाराष्ट्र , पश्चिम बंगाल , हरयाणा , पंजाब जैसे कई राज्यों में प्रदूषित पानी की समस्या से निपटने के लिए राज्यों और केंद्र की सरकारें मिलकर अब अधिक तेजी से काम कर सकती है । दिल्ली को मॉडल बनाया जा सकता है । इंदौर की भयावह घटना ने मुझे भारत सरकार की महत्वाकांक्षी ' अमृत ' पेयजल परियोजना का ध्यान आया और शायद राज्यों के भी कान खड़े हों । फिर सरकार ही नहीं सामाजिक स्वयंसेवी संगठनों को भी प्रदूषित पानी और हवा के लिए अधिक सक्रियता से निगरानी अभियान चलाने होंगे।

इंदौर की घटना प्रशासन, इंजीनियरिंग अधिकारियों तथा नागरिकों के बीच जिम्मेदारी, निगरानी और जवाबदेही की को सामने लाती है। सुरक्षित पानी की कमी से स्वास्थ्य, जीवन और सामाजिक विश्वास को बड़ा नुकसान हो सकता है, इसलिए अब समय है कि मजबूत सुधार, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए ताकि भविष्य में ऐसी कोई त्रासदी दोबारा न हो। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शोक व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों को रुपए 2 लाख मुआवजा देने की घोषणा की। जांच के आदेश दिए गए और एक तीन सदस्यीय समिति गठित की गई है ताकि यह पता लगाया जा सके कि पानी में मिलावट कैसे हुई। कुछ विभागीय अधिकारी को बर्खास्त और निलंबित किये जाने की कार्रवाई हुई है । जांच से पहले ही यह तो तथ्य है कि पाइपलाइन में लीकेज या खराब कनेक्शन – जिससे सीवरेज (नालियों का पानी) पीने के पानी की सप्लाई लाइन में मिला। सिवरेज चैंबर का गलत निर्माण – रिपोर्टों में यह भी दावा है कि सीवरेज चैंबर को गलत तरीके से मुख्य ड्रिंकिंग लाइन के ऊपर बनाया गया, जिससे अपशिष्ट सीधे जल पाइप में मिला।

इधर राजधानी दिल्ली में भी गर्मियों के दौरान केवल पानी की कमी , बल्कि पानी गुणवत्ता की समस्या भी बड़ी चुनौती है। इसका कारण यमुना नदी का प्रदूषण और कच्चे पानी का अस्थिर स्रोत जर्जर और पुरानी आपूर्ति नेटवर्क सीवर के मिल जाने के जोखिम , पानी की नियमित गुणवत्ता जांच का अभाव और लैब प्रमाणन का मुद्दा रहा है । इन सब वजहों से कुछ क्षेत्रों में गंदे, बदबूदार और स्वास्थ्य-खतरनाक पानी की आपूर्ति होती है, जिससे लोगों को प्रतिदिन की ज़रूरतें भी मुश्किल हो जाती हैं। पिछले साल आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान पूर्वी दिल्ली के निवासियों ने लगभग तीन महीनों से गंदा, दुर्गंधयुक्त पानी मिलने की शिकायत की। इनमें पानी पीने के अलावा त्वचा और पेट से जुड़ी बीमारियाँ भी सामने आईं। गंदे पानी से त्वचा और पेट संबंधी रोगों की शिकायतें सामने आईं। सुप्रीम कोर्ट ने भी अनियमित, दूषित पानी की आपूर्ति वाले इलाकों का निरीक्षण करने को कहा है। दिल्ली का पीने का पानी मुख्यत: यमुना नदी से आता है। यमुना का पानी अत्यधिक प्रदूषित है – रिपोर्टों में बताया गया कि अमोनिया जैसे प्रदूषक स्तर अधिक है, और यह जल उपचार संयंत्रों में आने से पहले ही दूषित होता है। इससे उपचार के बाद भी आपूर्ति की गुणवत्ता प्रभावित होती है। कई इलाकों में 40-80 साल पुरानी पाइपलाइन है, जिससे पानी की गुणवत्ता बिगड़ रही है। सप्लाई के दौरान सीवर और पानी की पाइपलाइन के पास लीक होने और सीवेज-मिलावट की आशंका रहती है। सरकार ने पहचानते हुए जल और सीवर व्यवस्था को सुधारने की योजना बनाई है। अब भारतीय जनता पार्टी की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार ने ने पानी सप्लाई, जल संरचना, यमुना नदी की सफाई, और दिल्ली जल बोर्ड को मजबूत बनाने को एक प्रमुख प्राथमिकता

बनाया है। इसके तहत बोर्ड को वित्तीय सत्ता दी गई है ताकि बड़े प्रोजेक्टों के लिये पहले की तरह कैबिनेट से मंजूरी की आवश्यकता न पड़े, जिससे निर्णय त्वरित और प्रशासनिक देरी कम हो। सरकार ने यमुना नदी का पर्यावरण सुधार और साफ-सफाई कार्यक्रम भी शुरू किया है । भाजपा सरकार ने पहले बजट में पेयजल, स्वच्छता और जल संरचना के लिये 9,000 करोड़ रूपये प्रदान किये गए, जो कि नये बोरवेल, पाइपलाइन अपग्रेड, बारिश के पानी का संरक्षण और यमुना सफाई पर जोड़ देता है। बोर्ड ने 735 करोड़ रूपये की धनराशि का प्रावधान किया है , जिससे पानी और सीवरेज इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिकीकरण किया जाएगा – जैसे पाइपलाइन बदलना, लाइन रिप्लेसमेंट, अंडरग्राउंड रिज़र्वॉयर इत्यादि। 300 करोड़ रुपये की नई पाइपलाइन परियोजन11 किलोमीटर कनेक्शन पाइपलाइन की योजना शुरू की गई है ताकि पानी की गुणवत्ता और सप्लाई स्थिरता को बेहतर बनाया जा सके और अमोनिया और दूषित पानी के प्रभाव को कम किया जा सके। लेकिन पूरी तरह से परिणाम जनता तक पहुंचने में समय लगता है । कुछ इलाकों में सुधार दिखाई दे रहे हैं, जबकि अन्य जगहों पर कार्य प्रगति की राह में हैं और सरकार को आगे भी क्रियान्वयन-ताक़त, निगरानी, और गुणवत्ता-जांच ज्यादा मजबूत करने की आवश्यकता है।

सत्ता के पहले कार्यकाल में ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 'हर घर नल से जल' - जल जीवन मिशन शुरू किया। ग्रामीण भारत में हर घर नल कनेक्शन के लक्ष्य के साथ और फिर शहरी जल आपूर्ति के लिये 'अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन ' अमृत ' जैसी योजनाओं को शुरू किया। केंद्रीय बजट 2025-26 में 'जल जीवन मिशन' के लिये लगभग67,000 करोड़ रूपये आवंटित किये गये है, जो पिछले वर्ष के अनुमान (लगभग 29,916 करोड़ रूपये) से काफी अधिक है। मिशन का कुल अनुमानित बजट पहले रुपए 3.60 लाख करोड़ था (2019-24) – यह ग्रामीण पेयजल के लिये केंद्र और राज्य मिलकर खर्च करते हैं। सरकार ने मिशन के लक्ष्य को 2028 तक बढ़ाया है, ताकि देशभर के सभी ग्रामीण घरों में नल से पानी की सप्लाई पूरी तरह सुनिश्चित की जा सके।

पहले ग्रामीण घरों में केवल लगभग 3.24 करोड़ घरों में टेप कनेक्शन था, लेकिन मिशन के लागू होने के बाद अब तक 15.5 करोड़ से अधिक घरों को नल से पानी मिल रहा है, यानी लगभग अस्सी प्रतिशत ग्रामीण घरों को कनेक्शन मिल चुका है। मिशन के तहत 2.66 लाख से अधिक गांवों में हर घर तक नल जल पहुँचाया जा चुका है, और कई क्षेत्र में स्थानीय महिलाओं को पानी की गुणवत्ता जांचने के लिये प्रशिक्षित किया गया। अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन 'अमृत' 2015 में शुरू की गयी शहरी विकास योजना है। इसका उद्देश्य है शहरी क्षेत्रों में पानी की बेहतर आपूर्ति और सीवेज/स्वच्छता सुविधाओं को मजबूत करना। 'अमृत' का दूसरा चरण 2.0, अक्टूबर 2021 में शुरू किया गया, जिसमें खासतौर पर शहरी नल कनेक्शनों पर जोर है – योजनाओं के तहत 4,700 से अधिक शहरों/नगरीय निकायों में पाइप जल आपूर्ति विकसित की जानी है, जिससे हर घर को पर्याप्त साफ पानी मिल सके। 'अमृत' 2.0 का कुल अनुमानित बजट लगभग 2.77 लाख करोड़ से 2.99 लाख करोड़ रूपये तक है, जिसमे केंद्र सरकार का हिस्सा लगभग 86,760 करोड़ रुपये बताया गया है। इस बजट से पर्याप्त वॉटर सप्लाई नेटवर्क का निर्माण, जल भंडारण टैंकों की स्थापना, और घरों तक पाइप कनेक्शन देने का कार्य होता है।

उत्तर प्रदेश में हर घर जल योजना तेज़ी से आगे बढ़ रही है । अमृत 2.0 के अंतर्गत बरेली और कानपुर में बहुत बड़ी पेयजल परियोजनाएं लागू हो रही हैं। हालांकि, कुछ रिपोर्टों में बताया गया है कि बजट के अभाव या संचालन मुद्दों के कारण संविदा कर्मियों और इंजीनियरों को वेतन नहीं मिल रहा था, जिससे योजना में देरी हुई। मध्य प्रदेश में 'हर घर नल से जल' योजना की तरफ़ गहरा प्रयास किया जा रहा है और कुछ विभागों ने उज्जैन संभाग में लक्ष्य प्राप्त करने का दावा किया गया है, जिससे ग्रामीण इलाकों में नवीन सुधार देखकर सकारात्मक असर पड़ा है। शहरी क्षेत्रों में भी ' अमृत ' के तहत बड़ा निवेश हुआ है । भोपाल में 582 करोड़ रुपये की पेयजल परियोजना का भूमि पूजन किया गया जिससे तीन सालों में 100 प्रतिशत पानी नेटवर्क लक्ष्य पूरा करना है। हालांकि कहीं-कहीं मीडिया रिपोर्टों में यह भी आया कि अमृत/जलाधरीन योजनाओं पर खर्च के बावजूद कई इलाकों में पानी टैंकरों पर निर्भरता जारी है जो वास्तविक क्रियान्वयन की जटिलता को दर्शाता है।

राजस्थान सरकार ने शहरी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति को बेहतर करने के लिये लगभग 5,120 करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव को मंजूरी दी है, जिससे राज्य के 176 शहरों और कस्बों में नए टेप कनेक्शनों का विस्तार होगा। इसके अलावा जल जीवन मिशन के तहत कुछ बड़ी जल परियोजनाओं के लिए 5,184 करोड़ की स्वीकृति दी गयी है। राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जल क्षेत्र को प्राथमिकता बताते हुए पानी स्रोतों, जल भंडारण और व्यवस्था सुधार पर ध्यान केंद्रित किया है। बिहार में भी बड़े स्तर पर पेयजल समस्याओं के समाधान के लिये परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं, जैसे गंगा वाटर लिफ्ट परियोजना जो मुख्य रूप से गंगा नदी से सप्लाई करके दक्षिण बिहार के शहरों में सुरक्षित जल पहुँचाने का प्रयास करती है। इस तरह अन्य राज्यों को भी अपनी जल परियोजनाओं का तेजी से क्रियान्वयन करना होगा । वहीं शुद्ध जल के लिए सामाजिक जागरुकता और अभियानों की आवश्यकता होगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

तीर्थाटन और पर्यटन में मूलभूत अंतर

हृदयनारायण दीक्षित
पूर्व अध्यक्ष, उ.प्र विधानसभा

भारतीय संस्कृति उत्सवधर्मी है। यहां बारहों महीने उत्सव चलते हैं। 6 ऋतुएं हैं। प्रत्येक ऋतु के अपने उत्सव हैं। वर्षा और बसंत प्रकृति प्रायोजित उत्सव हैं। शिशिर और हेमंत का क्या कहना। होली सनातन उल्लास है। व्यक्ति की तरह समाज और राष्ट्र की भी ऊर्जा होती है। जैसे मनुष्य अपने शरीर को स्वस्थ रखने का प्रयास करते हैं, वैसे ही समाज और राष्ट्र को स्वस्थ रखने के प्रयास जरूरी हैं और यह प्रयास संस्कृतिधर्मा लोगों द्वारा किया जाता रहता है। उत्स का अर्थ होता है मूल। उत्सव का अर्थ है देश के मूल से जुड़ी सामाजिक सक्रियता।

संस्कृति मनुष्य की रचना है। संस्कृति का निर्माण सतत प्रवाही प्रक्रिया है। भारत के मन की संस्कारमय संस्कृति प्राचीन ज्ञान परंपरा में निहित है। भारत की संस्कृति का जन्म और विकास ज्ञान व दर्शन की परंपरा से हुआ है। भारतीय दर्शन में बुध और जैन को मिलाकर आठ दार्शनिक धाराएं हैं। भारत के राष्ट्रजीवन के सभी धाराओं ने प्रभावित किया है। कपिल का सांख्य दर्शन अनिश्वरवादी माना जाता है। बुद्ध व जैन दर्शन भी ईश्वर की सत्ता को स्वीकार नहीं करते। अद्वैत वेदांत का प्रभाव काफी बड़ा है। अद्वैत की धारा शंकराचार्य के पहले से थी, लेकिन शंकराचार्य ने उपनिषदों, गीता और ब्रह्मसूत्र के तत्वों के आधार पर ब्रह्म को सत्य और जगत को मिथ्या कहा है। वे घर बैठ तर्क का आनंद उठाने वाले कार्यकर्ता नहीं थे। शंकराचार्य ने देश की एकता को देखते हुए चार धामों की घोषणा की। उन्होंने उत्तर में ऊंचे पहाड़ों पर बद्रीनाथ धाम की स्थापना की और पश्चिम में द्वारका की। पूरब में जगन्नाथ पुरी की और दक्षिण में रामेश्वरम की। चारों स्थान पहले बहुत प्रतिष्ठित नहीं थे लेकिन शंकर की घोषणा के बाद वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हो गए।

भारत का मन उत्सवी है। भारतीयों की रुचि पर्यटन के बजाय तीर्थाटन में रही है। पर्यटन और तीर्थाटन में मूलभूत अंतर है। पर्यटन में अच्छा खाना, अच्छे होटल और अच्छी सुख-सुविधाएं जरूरी होती हैं, लेकिन तीर्थाटन में इन कारकों की महत्वपूर्ण आवश्यकता नहीं होती। तीर्थाटन में प्राय: किसी ऐसी जगह पर जाते हैं, जहां नदियां आपस में मिलती हैं। जहां प्रकृति खिलती है, जहां किसी न किसी देवता के दर्शन की अभिलाषा रहती है। प्रयागराज इसका जीवंत उदाहरण है। ऋषिकेश की पहाड़ियों के दरश परश से मन संगीतमय हो जाता है। ऋग्वेद में नदियों से पर उतरने के लिए उथले स्थल को तीर्थ बताया गया है। जहां से हम आसानी से नदी पार कर सकते हैं। उपासना परंपरा में किसी देवता के नाम से चले आ रहे पुण्य स्थान तीर्थ कहलाते हैं। कुंभ (प्रयागराज) में सारी दुनिया के लोग आते हैं। करोड़ों लोगों का यह एकत्रीकरण गंगा, जमुना व सरस्वती का संगम बनता है। प्रयागराज दुनिया का आकर्षण है। ऐसे ही हरिद्वार, रामेश्वरम, तिरुपति, कांचीपुरम आदि अनेक स्थलों पर तीर्थ यात्री भूखे-प्यासे चले जाते हैं। अयोध्या, मथुरा, काशी ऐतिहासिक तीर्थ हैं। काशी में शिव दर्शन के लिए लाखों लोग आते हैं। वैसे भारतीय दर्शन में तीर्थाटन की तुलना में दर्शन को ज्यादा श्रेष्ठ बताया गया है। शंकराचार्य ने एकमात्र ब्रह्म की सत्ता को सत्य मानते हुए कर्मकांड को भी उचित बताया है। शंकराचार्य के प्रवास में अपना दर्शन सबको बताया था। ब्रह्म को एकमात्र सत्य और संसार को मिथ्या बताने वाले आचार्य शंकर के दर्शन ने परवर्ती संतों का ध्यान भी आकर्षित किया था। शंकराचार्य जगत् को मिथ्या बताते थे।

भारत स्वयं में एक तीर्थ है। सारी दुनिया को परिवार बताने वाला यह राष्ट्र शंकराचार्य जैसे दार्शनिकों की जन्मस्थली और कर्मस्थली है। आवागमन के साधन बढ़े हैं। शंकराचार्य के समय न साइकिल थी न रेल। आश्चर्य है कि आचार्य ने कैसे भारत भ्रमण किया होगा? अब आवागमन के व्रतगामी साधन बढ़े हैं। हजारों किलोमीटर की दूरी अल्प समय में तय की जा सकती है। आधुनिक सभ्यता के दबाव में देश के लोगों का एक वर्ग तनाव में रहता है। वह तीर्थाटन का मजा नहीं लेता। पर्यटन को महत्व देता है। पर्यटन से मानसिक शांति नहीं मिलती। तीर्थाटन से लौटे परिवार आनंद से भरे-पूरे दिखाई पड़ते हैं। भारत राष्ट्रजीवन के सभी क्षेत्रों में आत्मविश्वास से भरा-पूरा है। पर्यटन उद्योग बन गया है। पर्यटन की दृष्टि से महात्मा गांधी के जन्म और कर्म स्थान साबरमती जाना अपने आप में जीवंत अनुभव है। सरदार पटेल की प्रतिमा केवड़िया, गुजरात में दर्शनीय है। डॉक्टर आम्बेडकर के दिल्ली सहित कई स्थानों पर बने स्मारक दर्शनीय हैं। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राष्ट्रीय प्रेरणास्थल भी दर्शनीय है। यज्ञ में काफी धन लगता था।

देवी उपासना भारत में वैदिक काल से स्पष्ट दिखाई देती है। ऋग्वेद में जल माताएं हैं। वन देवी हैं। उत्तर प्रदेश का विंध्याचल देवी उपासना का महत्वपूर्ण केन्द्र है। मध्य प्रदेश का दतिया और असम के गुवाहाटी में कामाख्या देवी के दर्शनार्थ पूरे देश से श्रद्धालु आते हैं। तीर्थाटन से मिलने वाले लाभ व हानि पर आग्रही बहस चलना जरूरी नहीं है। मुख्य बात है देश के एक कोने से दूसरे कोने तक भारत भक्तों का आवागमन। शंकराचार्य ने इसीलिए चारों धामों की स्थापना की थी। प्रत्येक तीर्थ के साथ अविश्वसनीय कथाएं चलती हैं। इन्हें बड़े सरल ढंग से अंधविश्वास कहा जा सकता है लेकिन पर्यटन का विकल्प तीर्थाटन ही है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

निशाना

पॉलीथिन खा कर असमय..!

सुखेन्द्र दशरथ साहू

हां मैं इस धरती पर गौ माता कहलाती हूं,
तैतीस कोटि देवी-देव अपने तन में बसाती हूं,
घर घर तीज त्योहारों पर, मैं पूजी जाती हूं ,
अमृत तुल्य दूध तुम्हें बच्चा समझ पिलाती हूं।
गोबर मेरा जैविक खाद जो खेती का बलराम
गौ मूत्र मेरा औषधि है जो सेहत के आता काम,
दया परोपकार का भाव यूँ ही तुम अपनाते हो
क्यू हर घर का झूठन मुझको ही खिलाते हो,
निर्दोष होकर भी, इतना क्रूर दंड मैं पाती हूं,
दूध ना देने पर मैं घर से निकाली जाती हूं।
दर दर भटकती हूं, आश्रय कहीं ना पाती हूं,
पॉलीथिन खाकर असमय, मौत गले लगाती हूं।
स्वर्ग जैसी धरा पर, नर्क सा जीवन पाती हूं
मैं तो मां हूं ,यहीं सोचकर सब सह जाती हूं।
ओ मेरे कृष्ण कन्हाई, तुमको मैं बुलाती हूं,
कर दो मेरा उद्धार अब, व्यथा अपनी सुनाती हूं।

हेल्थ टिप्स

ब्रेकफास्ट में होने वाली गलतियां पड़ सकती हैं सेहत पर भारी

हमारा नाश्ता बहुत महत्वपूर्ण होता है। यह शरीर को पूरे दिन के लिए तैयार करता है। इसलिए आपको बहुत सोच समझकर इसमें चीजों का सेवन करना चाहिए। लेकिन पांच गलतियां भारतीय लोग काफी करते हैं। जो उन्हें कई सारी दिक्कतों के करीब ले जा सकती है। ब्रेकफास्ट में होने वाली इन गलतियों के बारे में डॉक्टर सलीम जैदी ने जानकारी दी है।

डॉक्टर ने बताया कि ब्रेकफास्ट दिन का पहला मील है, जो आपके पूरे दिन के मेटाबॉलिज्म और एनर्जी को डिसाइड करता है। उन्होंने आगे कहा कि सवाल यह है कि क्या आप सुबह अपनी बॉडी को सही स्टार्ट दे रहे हैं या इन छोटी छोटी गलतियों की वजह से अपनी सेहत को खतरे में डाल रहे हैं।

चाय के साथ बिस्किट: लोगों को चाय के साथ बिस्किट या रस खाने की आदत होती है। लेकिन इनके अंदर बहुत सारी मैदा, शुगर और ट्रांस फैट होते हैं। जो शरीर में इंसुलिन स्पाइक करने के साथ मोटापा भी बढ़ाते हैं।

कुछ ना खाना: अगर डाइटिंग के चक्कर में सुबह कुछ नहीं खाते हैं तो मेटाबॉलिज्म स्लो हो सकता है। दिन में जंक फूड खाने की क्रेविंग बढ़ेगी और दोपहर को जब आप खाना खाओगे तो ओवरईटिंग हो सकती है।

खाली पेट चाय

अगर आपको सुबह सबसे पहले चाय पीने की आदत है तो यह ब्रेकफास्ट में होने वाली गलती है। डॉक्टर का कहना है कि खाली पेट चाय पीने से एसिडिटी बढ़ती है। आपका कोर्टिसोल हॉर्मोन बढ़ता है, डिहाइड्रेशन होती है और भूख कम हो जाएगी।

रोज पराठा खाना

इसी तरह अगर आप रोज नाश्ते में पराठा खाते हैं तो कार्ब्स ज्यादा ले रहे हैं। इसके साथ प्रोटीन की कमी भी हो रही है। ऐसा करने से पेट तो भर जाता है, लेकिन इंसुलिन स्पाइक होगा और और दोपहर तक नींद भी बहुत आएगी और भारीपन रहेगा।

इंस्टेंट ओट्स

अगर आप हेल्दी समझकर इंस्टेंट ओट्स नाश्ते में खा रहे हैं तो फाइबर कम ले रहे हैं। यह हाइली प्रोसेस्ड होता है, जिस वजह से शुगर बढ़ता है। वहीं डॉक्टर ने कहा कि वेट लॉस के लिए तो इसे लेने के बारे में सोचना भी मत।

यूज़र्स गाइड

फोन पर लगवा रहे हैं प्राइवेसी टेम्पर्ड ग्लास तो... इसके फायदे हैं कम, नुकसान ज्यादा

आजकल स्मार्टफोन पर प्राइवेसी टेम्पर्ड ग्लास इस्तेमाल करना एक फैशन बन गया है। हो सकता है कि आप भी अपने फोन पर प्राइवेसी टेम्पर्ड ग्लास का इस्तेमाल करते हों या फिर जल्द लगवाने के बारे में सोच रहे हों। शायद आपको जानकर हैरानी होगी कि प्राइवेसी टेम्पर्ड ग्लास के उतने फायदे नहीं है, जितना यह आपके फोन को नुकसान पहुंचाता है। असल में यह आपके फोन को गहरा नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ आपके फोन इस्तेमाल करने के एक्सपीरियंस को भी खराब करता है। प्राइवेसी टेम्पर्ड ग्लास का डार्क फिल्टर स्क्रीन की रोशनी कम कर देता है। इससे फोन की डिस्प्ले डल दिखने लगती है। अगर आप कोई महंगा फोन इस्तेमाल कर रहे हैं, तो आप उस फोन की शानदार डिस्प्ले और कलर्स का मजा ही नहीं ले पाते।

बैटरी का दुश्मन टेम्पर्ड ग्लास: अब क्योंकि प्राइवेसी टेम्पर्ड ग्लास का डार्क फिल्टर स्क्रीन को डल बनाता है, इसलिए धूप आदि में यूजर्स को अपने फोन की ब्राइटनेस को ज्यादा पर रखकर इस्तेमाल करना पड़ता है। बता दें कि फोन की डिस्प्ले सबसे ज्यादा बैटरी खाने वाला पार्ट होता है। जब डिस्प्ले की ब्राइटनेस ज्यादा समय तक फुल रहती है, तो फोन की बैटरी भी तेजी से डिस्चार्ज होती है। इस वजह से यूजर को फोन ज्यादा चार्ज करना पड़ता है और लंबे समय में फोन की बैटरी तेजी से खराब होती है।

ऑटो ब्राइटनेस पर असर : प्राइवेसी टेम्पर्ड ग्लास को इस्तेमाल करने का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि इससे फोन का लाइट सेंसर सही से काम नहीं कर पाता। यह फोन की ऑटो ब्राइटनेस कंट्रोल करने वाले सेंसर को काफी परेशान करता है और कई मामलों में इस प्राइवेसी टेम्पर्ड ग्लास की वजह से फोन का ऑटो ब्राइटनेस फीचर पूरी तरह से फेल हो जाता है। इसके अलावा प्राइवेसी टेम्पर्ड ग्लास के इस्तेमाल से फोन को लगता है कि उसके आसपास अंधेरा है और इससे स्क्रीन अचानक खुद ही डिम हो जाती है। यह चीज वीडियो देखते या गेम खेलते समय आपका अनुभव खराब कर सकती है। फिंगरप्रिंट सेंसर ठीक से काम नहीं कर पाता या बार-बार फेल होता रहता है। यह समस्या उन स्मार्टफोन्स के साथ आती है, जो कि इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर के साथ आते हैं। इसका इस्तेमाल लोग अपनी प्राइवेसी की रक्षा के लिए करते है जबकि यह वो काम भी ठीक से नहीं करता। दरअसल प्राइवेसी टेम्पर्ड ग्लास हर एंगल से स्क्रीन को प्राइवेसी नहीं बचा पाता। थोड़ा भी एंगल बदलने से अगल-बगल में मौजूद कोई भी शख्स आपके फोन की स्क्रीन साफ-साफ देख पाता है। ऐसे में प्राइवेसी टेम्पर्ड ग्लास का इस्तेमाल न सिर्फ आपके फोन को नुकसान पहुंचाता है बल्कि यूजर को इस भ्रम में भी रखता है कि उनके फोन की स्क्रीन को कोई देख नहीं पा रहा।

नपाध्यक्ष बोले- 24 घंटे अलाव जलाएं और रैन बसेरों में पुख्ता इंतजाम रखें

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नर्मदांचल में पड़ रही कड़ाके की ठंड से निपटने के लिए नगरपालिका द्वारा सात स्थानों पर अलाव जलाए जा रहे हैं। साथ ही सोमवार अलसुबह से 24 घंटे अलाव जाए जाएंगे। साथ ही रैन बसेरों में परिक्रमावासियों और अन्य श्रद्धालुओं के लिए पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं।

कार्य प्रभारी उपयंत्री रीना गुप्ता ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर लगातार नगर में अलाव जलाए जा रहे हैं। नगरपालिका द्वारा श्रद्धालुओं,

परिक्रमावासियों और यात्रियों के लिए बस स्टेंड, रेलवे स्टेशन, सेठानीघाट, कोरीघाट, विवेकानंद घाट और अस्पताल के पास अलाव जलाए जा रहे हैं। प्रमुख स्थानों सेठानीघाट, रेलवे स्टेशन, बस स्टेंड पर 24 घंटे अलाव जलाने के निर्देश दिए गए हैं। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने नागरिकों, यात्रियों और परिक्रमावासियों से कहा गया है कि नगरपालिका द्वारा आपके लिए रात्रि में रुकने के लिए सेठानीघाट और बस स्टेंड पर बने रैन बसेरा में निःशुल्क इंतजाम किए गए हैं। साथ ही प्रमुख स्थानों पर 24 घंटे अलाव जलाए जा रहे हैं।

कोहरे और शीतलहर से शहर में बढ रही ठिठुरन

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

पिछले कुछ दिनों से कोहरे और शीतलहर के कारण आई तापमान में गिरावट के चलते ठंड में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। जिससे लोगों को सर्दी में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दैनिक काम भी समय पर नहीं हो पा रहे है। जिससे लोगों का जनजीवन प्रभावित हुआ है। वहीं मौसम में हुए बदलाव के कारण पिछले तीन दिन से सूर्य देवता के दर्शन भी नहीं हो पा रहे हैं। लोग बहुत ही जरूरी काम होने पर ही घर से निकल रहे है। वहीं दूसरी ओर विगत दिनों से लगातार पड़ रहे घने कोहरे के कारण वाहन चालकों को भी यात्रा करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

शीतलहर एवं तापमान में आई गिरावट को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने विदिशा जिला अंतर्गत संचालित शासकीय, अशासकीय, सीबीएसई, आईसीएसई, मदरसा बोर्ड, माध्यमिक शिक्षा मण्डल एवं समस्त बोर्ड से संबंधित विद्यालयों की कक्षा नर्सरी से कक्षा 5 वीं तक के छात्र, छात्राओ का विद्यालय में दिनांक 05 जनवरी से 06 जनवरी तक अवकाश घोषित किया गया है। अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियां यथा परीक्षा आदि पूर्ववत संचालित रहेगी।

न्यूज विंडो

28 फरवरी को प्राण-प्रतिष्ठा यज्ञ की पूर्णाहुति व संत भंडारा

गंजबासौदा। आस्था, त्याग और भक्ति की त्रिवेणी के रूप में भरत चरित्र कथा गंजबासौदा से चित्रकूट की धरती पर रामभक्ति का नया अध्याय रचने जा रही है। भगवान श्रीराम की मर्यादा और भरत की अनुपम भक्ति को केंद्र में रखकर चित्रकूट धाम में नौ दिवसीय 'भरत चरित्र' रामकथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कथा का शुभारंभ 19 फरवरी से होगा, जो 27 फरवरी तक चलेगी। 28 फरवरी को यज्ञ, प्राण-प्रतिष्ठा की पूर्णाहुति, संतों का भंडारा एवं विदाई समारोह आयोजित किया जाएगा। यह दिव्य आयोजन सनकादिक आश्रम, द्वितीय मुखारविंद, चित्रकूट धाम में संपन्न होगा। नौलखी के पूज्य श्रीमहंत राम मनोहर दास जी महाराज के श्रीमुख से भरत चरित्र की कथा का रसपान श्रद्धालु करेंगे। मालूम हो कि अयोध्या में रामकथा के पश्चात अब चित्रकूट की पुण्यभूमि पर भरत की त्यागमयी कथा का संकल्प लिया गया है। स्टेशन रोड स्थित नौलखी मंदिर में कथा की तैयारियों के संबंध में आयोजित हुई बैठक में, 60 से अधिक कथा प्रेमियों ने पंजीयन करते हुए अपना उत्साह दिखाया है। कथा को लेकर नौलखी में आयोजित पहली बैठक में भारी उत्साह देखने को मिला। बैठक में कथा प्रेमियों ने एकजुटता दिखाते हुए 60 से अधिक श्रद्धालुओं ने चित्रकूट धाम के लिए अपना पंजीयन कराया है।

सर्जिकल वार्ड की चौथी मंजिल से कूदा मरीज, उपचार के दौरान मौत

खंडवा। रामनगर पुलिस चौकी क्षेत्र के चिराखदान टेकरी पर रहने वाले सुरेश लाल उर्फ बादशाह पिता लक्ष्मण (55) को चार दिन पहले पैर में चोट आई थी। हम्माली करते समय वह गिर गया था। जिसके बाद उसे जिला अस्पताल के सर्जिकल वार्ड में भर्ती किया था। बेटी कविता ने बताया कि पिता भर्ती होने के बाद से पिता अजीब-अजीब हरकतें करने लग गए थे। पलंग से उठकर भागने लग जाते थे, कभी कहते है कि कोई बुला रहा है। उनका अस्पताल में उपचार किया जा रहा था। शाम में बादशाह वार्ड से निकलकर बाहर गलियारे में वाटर कूलर के पास आकर खड़ा हो गया। कुछ देर बाद वह बालकनी की बाउंड्रीवाल पर जाकर बैठ गया। यह देख उसे लोगों ने नीचे उतरने के लिए कहा लेकिन वह नहीं उतरा। लोगों का कहना है कि हम उसे पकड़ने दौड़े, लेकिन वह कूद गया।घटना की जानकारी लगते ही अस्पताल प्रशासन और मोघट थाने से टीआइ धीरेश धारवाल पुलिसकर्मियों के साथ अस्पताल पहुंचे। चौथी मंजिल से कूदने पर बादशाह के हाथ और पैर की हड्डी टूट गई थी। साथ ही उसे सिर के साथ शरीर में अन्य जगह चोट लगी थी। उसे उपचार के लिए वार्ड में ले जाया गया। जहां कुछ देर बाद मौत हो गई। टीआइ धारवाल ने बताया कि तीन दिन से बादशाह बहकी हुई बात कर रहा था। उसकी दिमागी हालत ठीक नहीं थी। इस मामले में फिलहाल मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

इन्दौर में दूषित पानी पीने से हुई 17 लोगों की मौत को लेकर प्रदर्शन

विधायक निवास से 100 मीटर दूर घंटी बजा रहे कांग्रेसियों को लौटाया

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने रविवार को विधायक उमाकांत शर्मा के निवास पर घंटा बजाने के प्रयास को पुलिस ने असफल कर दिया। दूषित पानी पीने से इन्दौर में 16 नागरिकों की मौत को लेकर कांग्रेस द्वारा रविवार को प्रदेश भर में प्रदर्शन किया गया। इसी क्रम में सिरोंज में भी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा विधायक उमाकांत शर्मा के निवास गणेश की अथाई पर पहुंचकर घंटी बजाने की योजना बनाई गई थी। जिसकी योजना ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश यादव ने शनिवार को ही तैयार कर ली थी। रविवार को उनकी इस योजना पर पुलिस ने पानी फेर दिया।

टीआई विमलेश राय ने विधायक के घर से करीब 100 मीटर दूर रावजी पथ पर बेरिकेट्स लगवा दिए गए थे। कांग्रेस कार्यकर्ता आधा किमी दूर पुराना बस स्टैंड से ही घंटी बजाते हुए विधायक के निवास की ओर रवाना हुए। जब वे रावजी पथ पर पहुंचे तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। कांग्रेसियों ने बेरिकेट्स पार करने की कोशिश कि तो जवानों ने उन्हें जाने नहीं दिया। पुलिस के आगे जब उनकी एक नहीं चली तो उन्होंने वहीं पर खड़े होकर घंटी बजाते हुए भाजपा सरकार और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शन के दौरान एकजुटता दिखाने वाले कांग्रेस कार्यकर्ता खबरों में आने के लिए प्रयासरत दिखाई दिए। ब्लॉक अध्यक्ष ने तो अपने स्तर पर विज्ञप्ति जारी की ही लेकिन उनके अलावा भी कुछ नेताओं ने अपने स्तर पर ही बयान भेज दिए। इन सबका प्रयास था कि प्रदर्शन की खबरों में वे ही दिखाई दें। कांग्रेसियों का प्रदर्शन प्रभावी तो था लेकिन इसमें सिर्फ औपचारिकता ज्यादा दिखाई दे रही थी। इसकी वजह थी कांग्रेसियों का एक ही स्थान पर डटे रह कर प्रदर्शन करना। विधायक के घर पर पहुंचने के आसपास ही चार रास्ते हैं। कांग्रेसियों ने केवल एक ही रास्ता चुना। जबकि वे चाहते तो पुलिस को छका कर अन्य रास्तों से भी विधायक के घर पहुंच सकते थे लेकिन इस ओर किसी ने विचार नहीं किया।

नदियों को जोड़ने का दावा करने वाली सरकार नालों को नलों से जोड़ रही

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने नारेबाजी के बीच ही अपने वक्तव्य में भाजपा सरकार को जमकर कोसा। कांग्रेसियों ने कहा कि भाजपा की नदियों को जोड़ने का दावा करने वाली सरकार हकीकत में नालों का पानी नलों के माध्यम से लोगों के घरों तक पहुंचाने का काम कर रही है। इन्दौर की घटना बेहद दुर्भाग्यजनक है और इस पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का गैर जिम्मेदाराना बयान इस सरकार की जनविरोधी सोच को उजागर करता है। भाजपा की इस सरकार में लोग दवाई और पानी दोनों से पीकर मर रहे हैं। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस सचिव विनोद सेन, वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसर खान, ब्लाक अध्यक्ष सुरेश यादव, नगर अध्यक्ष सैफू गौरी, देवपुर अध्यक्ष अर्जुन राजपूत, सुरेन्द्र रघुवंशी, रजत गौड़ तथा गगनेन्द्र रघुवंशी के साथ ही अन्य कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पार्षद समेत 14 जुआरियों को रंगे हाथों पकड़ा

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

परासिया स्थित मयूर वन में चल रहे जुआफड़ पर पुलिस अधीक्षक की स्पेशल टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने मौके से न्यूटन के वार्ड पार्षद समेत 14 जुआरियों को रंगे हाथों पकड़ा है। पुलिस ने फड़ से 93 हजार रुपए नकद और 15 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट का मामला दर्ज कर परासिया थाने लाया गया है।

मयूर वन क्षेत्र में लंबे समय से जुआफड़ चलने की खबरें मिल रही थीं। मुखबिर की सूचना पर रविवार को स्पेशल टीम ने दबिश दी। पुलिस को देखते ही जुआरियों में भगदड़ मच गई, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उन्हें दबोच लिया। पकड़े गए लोगों में न्यूटन वार्ड क्रमांक 11 के पार्षद शेख वसीम भी शामिल हैं। इसके अलावा चौरई, जुन्नारदेव और परासिया क्षेत्र के घनश्याम बैस, मंजीत सिंह, मनोज यादव, रेहान खान, आकाश नागवंशी समेत अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

कांग्रेसियों ने विधायक के घर किया घेराव

कटनी। इंदौर में दूषित पानी से हुईं 16 मौतों को लेकर प्रदेश में अब गुस्सा थम नहीं रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर कटनी में भी सियासी हंगामा देखने को मिला। मुड़वारा विधायक संदीप जायसवाल के घर का घेराव करने पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और वहां पहले से मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच जमकर नोकझोंक हुई। विरोध के दौरान करीब दो घंटे तक मौके पर तनाव बना रहा, जिसके बाद हालात बिगड़ते देख पुलिस को हल्का बल प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाना पड़ा।

दमोह-जबलपुर स्टेट हाईवे पर मिला शव, गुबरा में फैली सनसनी

दमोह। दोपहर मेट्रो

रविवार सुबह दमोह-जबलपुर स्टेट हाईवे पर गुबरा गांव में एक अज्ञात शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। हाईवे किनारे शव पड़े होने की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई और तत्काल जबेरा पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही जबेरा थाना प्रभारी विकास सिंह चौहान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच प्रारंभ की। पुलिस जांच में मृतक की पहचान दमोह निवासी दयाराम काढ़ेरे के रूप में हुई है। थाना प्रभारी विकास सिंह चौहान ने बताया कि परिजनों के अनुसार मृतक दयाराम काढ़ेरे तीन-चार दिन पूर्व घूमने के उद्देश्य से क्षेत्र में आए थे।

प्रारंभिक जांच में अत्यधिक ठंड के कारण मृत्यु की आशंका जताई जा रही है, हालांकि मौत के

वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस ने मौके पर पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जबेरा अस्पताल भेजा। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। पुरेनहाउ निवासी प्रीतम साहू ने बताया कि अशोक काढ़ेरे उनके पड़ोसी हैं और मृतक दयाराम काढ़ेरे उनके फूफा लगते हैं। पुलिस के माध्यम से सूचना मिलने पर अशोक काढ़ेरे मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनके फूफा घूमने के लिए आए थे और गुबरा के पास मृत अवस्था में मिलने की खबर से परिवार गहरे सदमे में है। घटनास्थल पर जबेरा थाना प्रभारी विकास सिंह चौहान के साथ प्रधान आरक्षक रणधीर सिंह, सैनिक शिव विश्वकर्मा, जानकी एवं एनआरएस राहुल दुबे सहित पुलिस बल मौजूद रहा।

मेट्रो एंकर मैन ऑफ द सीरीज में गुना के सुजल वर्मा को मिली स्कूटी, विधायक ने किया पुरस्कार वितरण

गुना के साईं क्लब ने जीती विजेता ट्राफी, जलगांव रहा उप विजेता

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा की स्मृति में आयोजित हो रही प्रथम लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ। इस अवसर पर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए विदिशा जिले के प्रभारी मंत्री एवं पशुपालन मंत्री लखन पटेल विधायक उमाकांत शर्मा के साथ शामिल हुए। शाम करीब साढ़े एआ बजे हुए मैच के समापन पर गुना की साईं क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बनाए 199 रन का पीछा कर रही जलगांव के जुनेद क्लब को 74 रन से हराते हुए मैच जीतकर विजेता ट्राफी पर कब्जा किया। गुना के साईं क्लब की धारदार गेंदबाजी के आंगे जलगांव की तीन 15. 5 ओवर पर ही आल आउट हो गई। जलगांव महाराष्ट्र की जुनैद क्लब

उपविजेता बनी।

सांदीपनि स्कूल के मैदान पर आयोजित टूर्नामेंट मंच पर पहुंचकर मंचासीन अतिथियों ने भारत माता एवं पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान खेलप्रेमी दर्शकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कैलेंडर नववर्ष पर सबके सुख समृद्धि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश की सरकार एवं खेल विभाग मुख्यमंत्री मोहन यादव जी के मार्गदर्शन में सभी प्रकार के खेलो को बढ़ावा देंने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि पहले बड़े शहरों से ही नामी खिलाड़ी निकलते थे लेकिन अब सरकार के प्रोत्साहन के बाद छोटे छोटे गांव शहरों के खिलाड़ी भी इंटरनेशनल खेलों में अपनी प्रतिभाओं का लोहा मनवा रहें हैं।

हमारे क्षेत्र की क्रांति गौंड इसका प्रमुख उदाहरण हैं। इसके पूर्व विधायक उमाकांत शर्मा ने विधानसभा क्षेत्र के लटेरी में संपूर्ण सुविधायुक्त खेल मैदान एवं सिरोंज के सांदीपनि स्कूल के मैदान के किनारे पुराने शनिचरा नाले पर भी स्टेडियनुमा सीढ़ियां बनवाने की मांग भी प्रभारी मंत्री से की जिस पर घोषणा करते हुए मंत्री लखन पटेल ने खेल मंत्रालय के माध्यम से चार करोड़ की लागत से बनने वाले इनडोर स्टेडियम के निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि जहां विधायक जी चाहेंगे वहां यह बनवा दिया जाएगा। फाइनल मैच की एक इनिंग होने के उपरांत दोपहर करीब ढाई बजे मंच पर पहुंचे प्रभारी मंत्री ने सबसे पहले हजारों की संख्या में मैच का लुफ्त लेने मैदान में बैठे दर्शकों का पुष्पवर्षा कर उत्साहवर्धन किया। इसके उपरांत फाइनल मैच खेल रही साईं क्रिकेट क्लब गुना एवं जुनैद क्रिकेट क्लब जलगांव महाराष्ट्र की टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा सामूहिक राष्ट्रगान में भाग लिया। इस अवसर पर विधायक उमाकांत शर्मा ने अपनी पर से प्रभारी मंत्री का स्वागत किया। माधव ग्रुप के संरक्षक राहुल त्यागी द्वारा स्मृति चिन्ह देकर प्रभारी मंत्री लखन पटेल एवं विधायक उमाकांत शर्मा का सम्मान किया गया।

ग्वारीकला गांव में तेंदुए के शिकार का मामला, चार लोग गिरफ्तार

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिले के करेली वन परिक्षेत्र के ग्वारीकला गांव में तेंदुए के शिकार का मामला सामने आया है। इस घटना में वन विभाग ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी अब भी फरार है। मामले में तेंदुए का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसने वन विभाग की सक्रियता की कमियां उजागर कर दी है। बता दें, वन विभाग ने डॉग स्क्वायड की मदद से खापा गांव में छापेमारी की। इस दौरान आरोपियों के घरों से जंगली सूअर फंसाने वाला जाला और बड़ी मात्रा में क्लच वायर बरामद किया गया।

न्यूज विंडो

भागवत कथा के प्रथम दिन नगर में निकाली कलश यात्रा

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के पंचवटी सिद्ध धाम में रविवार को श्रीमद भागवत कथा के प्रथम दिन नगर में शोभायात्रा निकाली गई। भागवत कथा का आयोजन नगर की कार्तिक मंडल की महिलाओं के द्वारा किया जा रहा है। कार्तिक मंडल में 100 से अधिक महिलाएं जुड़ी हुई हैं। शोभायात्रा में सबसे आगे बालिकाएं अश्व पर ध्वज लेकर बैठी थीं उसके बाद राधे कृष्ण की जोड़ी मनमोहक नृत्य करती हुई चल रही थी। लगभग 100 से अधिक महिलाएं पीले वस्त्रों में घट सिर पर रखकर चल रही थीं। बग्गियों में राधे कृष्ण की मनमोहक झांकी के साथ कथा वाचक पंडित प्रेमनारायण शास्त्री विराजमान थे। शोभायात्रा पंचवटी से तारादेही तिराहा, राम मंदिर, ज्वाला मंदिर, खकरिया मार्ग से होते हुए वापिस पंचवटी पहुंची साथ ही महापुराण भागवत कथा का वेद व्यास गद्दी पर विधी विधान से स्थापना की गई एवं प्रथम दिवस पर पंडित प्रेमनाराण शास्त्री ने महात्मा चर्चा भागवत कथा सुनाई साथ ही राधे राधे के मधुर भजनों पर संपूर्ण श्रोता झूम उठे। इसके अलावा भागवत कथा का सीधा प्रसारण यूट्यूब पर लाईव किया जा रहा हैं।

न रेडियम न ही संकेतक बोर्ड पेड़ से टकराकर हो रहे हादसे

तेंदूखेड़ा। क्षेत्र से गुजरे जबलपुर-सागर हाइवे 15 से हर रोज सैकड़ों की संख्या में वाहन आ-जा रहे हैं। हाईवे पर बम्होरी पांजी से लेकर झालौन तक करीब 18 किलोमीटर मार्ग के दोनों ओर किनारों से सटकर हॉट शोल्डर, भारी भरकम पेड़ लगे हुए हैं जो हादसों की वजह बन रहे हैं। वाहन चलाते समय चालकों को मार्ग साफ रूप से नजर नहीं आ रहा है। जिस कारण इन पेड़ों से आए दिन वाहन टकराकर क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। वहीं उनमें सवार लोग भी घायल हो रहे हैं। वाहन चलाने वालों का कहना है कि जब इस सड़क से पहली बार कोई वाहन चालक निकलता है तो उसे मार्ग की जानकारी नहीं होती हैं, जिससे उनके साथ अक्सर हादसे घटित हो जाते हैं। यदि स्थानीय लोगों की मानें तो घटनाएं होने का कारण मार्ग से सटकर लगे पेड़ एवं अंधे मोड़ हैं जो हादसे का कारण बन रहे हैं। इस मार्ग से जब वाहन गुजरते हैं तो उनके चालक को समझ नहीं आता कि हॉट शोल्डर पर पेड़ भी लगे हैं। वाहन तेज रफ्तार में होने के कारण जैसे ही सड़क से नीचे उतरता है तो पेड़ों से टकरा जाता है और हादसे का शिकार हो जाता है। लोगों का कहना है कि आए दिन होने वाले हादसों के बाद भी शासन-प्रशासन के अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। आए दिन होने वाले हादसों को लेकर स्थानीय लोगों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि मार्ग पर ब्रेकर बनाए जाएं। सूचना संकेतक लगाए जाएं और पेड़ों पर रेडियम लगाए जाएं, ताकि वाहन चालक सतर्क होकर वाहन चलाएं।

किसान कांग्रेस की जन आंदोलन आज से शुरू होगी यात्रा

मंडीदीप। भोजपुर विधानसभा में कांग्रेस ने किसानों के हितों की रक्षा के लिए बड़ा ऐलान किया है। बीज से बाजार तक, खेत से सरकार तक के नारे के साथ किसान जन आंदोलन यात्रा आज भोजपुर मंदिर से शुरू होगी। इस यात्रा का उद्देश्य किसानों की आवाज को बुलंद करना और उनकी समस्याओं को सरकार तक पहुंचाना है। रायसेन जिले में किसान कांग्रेस के अध्यक्ष ठाकुर रणजीत सिंह ने बताया कि यात्रा भोजपुर विधानसभा क्षेत्र के शिव मंदिर भोजपुर से प्रारंभ होगी। जिसमें प्रदेश के अध्यक्ष जीतू पटवारी इस यात्रा में हरी झंडी दिखा कर रवाना करेंगे। यात्रा भोजपुर से शुरू होकर सतलापुर, मंडीदीप होते हुए दाहोद पहुंचेगी। रघुवंशी ने बताया कि संगठन किसानों के हित में सरकार से गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 4000 रुपए प्रति क्विंटल, धान का एमएसपी 4000 रुपए प्रति क्विंटल करने सहित सोयाबीन का एमएसपी 6000 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग की जाएगी। इसके अलावा किसानों को सही खाद बीज दिलाने की मांग सरकार से की जाएगी।

तेंदूखेड़ा- पाटन क्षेत्र में सब्जी व्यापारियों से लूट की घटनाओं को लेकर खौफ

घाटी पर वाहन धीमा करते ही चढ़ जाते हैं लुटेरे, रात में मंडी पहुंचना मुश्किल

विशाल रजक ।तेंदूखेड़ा

सब्जी लेकर जबलपुर मंडी जाने वाले वाहन चालक इस समय अज्ञात लुटेरों से परेशान हैं। आए दिन वाहन चालकों से हो रही लूट की घटना से दहशत में आए वाहन चालक दिन निकलने के बाद ही जबलपुर मंडी पहुंच रहे हैं। भले उनका नुकसान हो रहा है, लेकिन मजबूरी में तेंदूखेड़ा में रुककर रात काट रहे हैं। कुछ दिनों से तेंदुखेड़ा से होकर गुजरने वाले लोडिंग वाहन दिन निकलने तक तेंदुखेडा में ही खड़े रहते हैं क्योंकि उनको भय है कि यदि वह रात्रि में जाते हैं तो उनके साथ लूट की घटना हो सकती है।

तेंदूखेड़ा में सुबह पांच बजे कई वाहन सब्जी से भरे खड़े थे। वाहनों में भाटा की बोरिया लोड थीं। जबकि इतने समय इन गाड़ियों को जबलपुर मंडी में होना था। कारण पूछने पर वाहन मालिक ओर चालकों ने बताया कि वह सभी यहां पर रुके हुए हैं कुछ ही दूरी पर पाटन तेन्दूखेड़ा सीमा पर स्थित बगदरी की घटिया पर लूट के भय से वह रुके हैं क्योंकि जैसे ही दमोह जिले की सीमा खत्म होते ही वहां पर अज्ञात लोग वाहनों में पीछे से चढ़ जाते हैं और रस्सी काटकर भाटा की बोरिया गिरा लेते हैं। कई बार ये घटनाएं हो चुकी है घटनाओं को कौन अंजाम देता हैं।

टौरी निवासी अमर सिंह लोधी और राजा पटना के सागौन निवासी निरपत सिंह लोधी ने बताया कि पंडा बाबा के आगे घटिया पर जिस जगह ब्रेकर बने हैं वहां वाहन बहुत धीमा करना पड़ता है। उसी समय अज्ञात लोग पीछे से वाहनों में लटक जाते हैं और रस्सी काटकर भाटा की बोरिया निकाल लेते है। मंगलवार को 7 बोरी भाटा चोरी हो गया था फिर गुरुवार को 3 बोरी भाटा चोरी हुआ था। भूरा सिंह लोधी राजा सिंह लोधी ने बताया की भाटा की बोरिया आटों वाहन में लोड करके जबलपुर मंडी जाते हैं। पूर्व में हम लोग सुबह चार से पांच बजे जबलपुर पहुंच जाते थे, लेकिन अब घटिया पर लूट होने की घटनाओं के बाद तेंदुखेड़ा में रुक जाते हैं। जब दिन निकलने का समय हो जाता तो तेंदुखेडा से जबलपुर की ओर जाते है वहीं अमर सिंह लोधी ने बताया कि एक सप्ताह पहले भी एक वाहन से 5 बोरी मक्का रस्सी काटकर गिरा ली थी लेकिन किसी पुलिस वाहन की आवाज सुनकर चोर मक्का की बोरी छोड़कर भाग गए थे जहां पुलिस द्वारा मक्का की बोरियों को पाटन मंडी भेजा था। वहीं इस स्थान पर पिछले वर्ष भी लूट की घटनाओं घटित हो चुकी है यहां पर पिछले साल गर्मियों के समय जबलपुर से टीकमगढ़ चलने वाली महाकाल बस में भी लूट करने का प्रयास किया गया था। जहां अज्ञात लोगों द्वारा झाड़ियों में छिपकर बस पर पत्थर मारे थे।

एक सप्ताह में हो चुकी हैं दो से तीन घटनाएं

दमोह जिले की सीमा खत्म होने के बाद जैसे ही जबलपुर जिले की सीमा आरंभ होती है तो यहां पर वाहन दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए कई ब्रेकर बनाए गए थे। घटनाओं पर तो अंकुश लग गया, लेकिन उन ब्रेकरों पर पहुंचते ही जैसे ही वाहन धीमा होता है और आरोपी लूट की घटना को अंजाम देते हैं। यह घटनाएं उन वाहन चालकों के साथ ज्यादा हो रही हैं जो टौरी इमलिया से सब्जी लेकर जबलपुर मंडी जाते है। एक सप्ताह में दो से तीन घटनाएं होने के बाद अब सब्जी व्यापारी और वाहन चालक दिन निकलने का इंतजार करते हैं वाहन चालकों ने बताया जिस जगह घटनाएं होती है। वह स्थान पूरी तरह सुनसान है और अभी ठंड का समय होने के कारण मार्ग बहुत ही कम चलता है। इस मार्ग पर सागर दमोह के वाहन और राहगीर गुजरते थे, लेकिन सागर मार्ग बंद होने से वाहन जबेरा होते हुए जाते हैं। इस मार्ग पर सुनसान रहता है और तेंदुखेड़ा थाने की सीमा खत्म हो जाती है।

जिम्मेदारों की अनदेखी

बेरोजगारी एवं मूलभूत सुविधाओं को लेकर सोडा फैक्ट्री का घेराव आज

शहडोल/अमलाई। दोपहर मेट्रो

बरगवा नगर परिषद के उपाध्यक्ष, रासायनिक संयंत्र संघ का भारतीय मजदूर संघ सोडा फैक्ट्री कास्टिक यूनिट ने पूर्व में ओरिएंट पेपर मिल कास्टिक सोडा यूनिट के प्रबंधक को ज्ञापन सौंप कर मूलभूत सुविधाओं को मुहैया कराने एवं कई बिंदुओं पर ज्ञापन दिया था। लेकिन प्रबंधन के द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नहीं दिया गया। इससे गुस्साए लोग आज फैक्ट्री कार्यालय का घेराव करेंगे। उन्होंने कहा कि बार-बार अवगत कराया गया है कि आपके द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। प्रमुख मांग ओरियंट पेपर मील्स (सोडा यूनिट) द्वारा निकाला गया पानी जोकि सोन नदी में मिलता है उसे तत्काल बंद किया जाए। कई वर्षों से संचालित फैक्ट्री में कोई भी प्रभावित ग्राम वासियों को योग्यतानुसार काम नहीं दिया गया। मनीष तिवारी को मरणोपरांत आपके द्वारा किसी भी प्रकार की कोई राशि उसके परिवारजनों को नहीं दी गई, जिससे उसके परिवार का भरण पोषण मुश्किल हो गया है। प्रभावित वार्ड क. 1-2-3 का आज तक कोई समाधान नहीं किया गया। फैक्ट्री के अंदर कार्य कर रहे मजदूरों को आज तक सेफ्टी-यूनिफार्म आदि प्रदान नहीं किया गया। सोडा फैक्ट्री कास्टिक यूनिट के उपकरण अत्यंत पुराने एवं खराब अवस्था में है। जिसमे आज तक कोई बदलाव नहीं किया गया। सोडा फैक्ट्री अस्पताल में कोई भी स्वास्थ सुविधा उपलब्ध नहीं है।उपरोक्त कारणों से जनमानस में भारी अकोश है। पूर्व में ज्ञापन में कहां गया था कि कार्यवाही नहीं की गई तो हम लोग मजबूर होकर फैक्ट्री बंद करने के लिए मजबूर हो फैक्ट्री के अन्दर कार्य कर रहे मजदूरी की आज दिनांक तक सेपटी शु आदि प्रदान नही किया गया एवं ओरिएंट पेपर मिल के बराबर छुट्टी भी नहीं मिलती है।

बदमाशों ने एक टेंट कारोबारी महिला के घर पर हमला कर किया पथराव, बच्ची घायल

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

शहर के चुंगी चौकी इलाके में देर रात बदमाशों ने जमकर उत्पात मचाया। उन्होंने एक टेंट कारोबारी महिला के घर को दूसरी बार निशाना बनाते हुए पहले पथराव किया। फिर हथगोले (सूअर मारने वाला बम) फेंक दिए। बम फटने से एक बच्ची के चेहरे पर गंभीर चोट आई है। उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही घमापुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक बदमाश फरार हो चुके थे। बताया जा रहा है कि हमलावर वही बदमाश हैं, जिन्होंने कुछ माह पहले टेंट संचालक के यहां हमला कर आगजनी की थी। पूनम थदानी ने बताया कि बदमाशों द्वारा फेंका गया हथगोला उनकी बेटी जैस्मिन के चेहरे के पास आकर फट गया। इससे जैस्मिन गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि इस तरह की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं, जिनकी शिकायत घमापुर थाने में दर्ज कराई गई थी।

मार्ग को परिवर्तित करवाने के लिए चलाया हस्ताक्षर अभियान

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में औद्योगिक नगरी के नाम से एक अलग छवि बनाने वाला औद्योगिक शहर में इन दिनों रेलवे स्टेशन पर पहुंचने वाला मार्ग पर हादसे का खतरा बना रहता है। इससे राहत के लिए रिजवान अली ने मार्ग को परिवर्तन करने के लिए जिला कलेक्टर से गुहार लगाने के लिए व्यापारियों से ज्ञापन पर हस्ताक्षर अभियान कराने का आगाज रविवार को किया गया।

भारतीय खाद्य निगम और नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा गेहूं का लदान कर रेलवे गोदाम पर किया जाता है जिसमें अनेक कंपनियां और एजेंसियों द्वारा खाद्य उतारने का बड़े पैमाने पर कार्य किया जाता है। रेलवे माल गोदाम पहुंचने का मुख्य मार्ग शहर के मुख्य मार्ग से होता हुआ रेलवे माल गोदाम पर पहुंचता है जिससे यह मार्ग शहर का व्यस्ततम मार्ग होने के कारण बाहरी वाहनों का आवागमन प्रतिदिन लगा रहता है ज्ञात हो कि एम एस ट्रांसपोर्ट के संचालक भाजपा नेता सलमान अली द्वारा पूर्व में रेलवे विभाग और नगर पालिका से मार्ग परिवर्तन की मांग की जा चुकी है। रेलवे विभाग द्वारा जिसका निरीक्षण भी किया गया परंतु आज तक समस्या का समाधान नहीं किया गया जिसको लेकर नगर के लोगों ने जिला कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा से रेलवे स्टेशन मार्ग परिवर्तन कर कंटेनर डिपो से गोदाम तक जाने का मार्ग को करने की मांग की है।

कंटेनर से 46 गौवंश जब्त, तीन गिरफ्तार

सिवनी। जिले के लखनादौन में पुलिस ने मवेशी तस्करी के एक बड़े मामले को पकड़ा है। पुलिस ने सुबह एक कंटेनर से 46 गौवंश जब्त किए हैं, जिनमें से एक मृत पाया गया। इस कार्रवाई में तीन आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। सूचना के आधार पर, मड़ई टोल टैक्स के आगे ह॥-44 रोड पर घेराबंदी की गई। पुलिस ने कंटेनर को रोका। जांच करने पर वाहन में 46 गौवंश क्रूरतापूर्वक ठूंस-ठूंस कर भरे पाए गए, जिनमें से एक गौवंश मृत अवस्था में मिला। बतौर लखनादौन थाना प्रभारी कीरत सिंह धुर्वे ने बताया कि पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अपूर्व भलावी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नरसिंहपुर की ओर से एक कंटेनर में अवैध रूप से गौवंश नागपुर ले जाए जा रहे हैं।

वैश्य कैलेंडर 2026 का विमोचन समारोह संपन्न

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश वैश्य महासम्मेलन द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 2026 के बहुरंगीय कैलेंडर का प्रकाशन औद्योगिक नगर में किया गया। इस अवसर पर वैश्य महासम्मेलन के जिला अध्यक्ष विनोद जैन की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया जिसमें संगठन के कई पदाधिकारियों की उपस्थिति रही वैश्य महासम्मेलन गौहरगंज तहसील अध्यक्ष राजीव जैन ने बताया कि बैठक में आगामी कार्यक्रमों को लेकर विचार विमर्श कर संगठन विस्तार पर चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष विनोद जैन आरएनजी ने कहा कि वैश्य समाज को संगठित कर वैश्य महासम्मेलन का विस्तार करते हुए जिले की प्रत्येक तहसील में वैश्य समाज बधुओं के सुख दुःख की चिंता की जाएगी। सभी पदाधिकारियों को तहसील स्तर तक सदस्यता वृद्धि पर विशेष ज़ोर देने हेतु भी कहा गया जिससे संगठन को सशक्त बनाया जा सके और संगठन की ताकत ही हमारा मुख्य उद्देश्य है। सभी वैश्य घटक समाज अध्यक्ष, संगठन के पदाधिकारियों की उपस्थिति में वैश्य कैलेण्डर 2026 का विमोचन कार्यक्रम संपन्न हुआ। बैठक में उपस्थित जनों द्वारा कैलेंडर की प्रशंसा करते हुए पदाधिकारियो से इन्हें जल्द से जल्द सभी सदस्यों तक पहुचाने का आव्हान किया।

मेट्रो एंकर

गोल्ड कप फुटबॉल 2026: सुभाष स्टेडियम में रोमांच से झूमे दर्शक

बैंक ऑफ बड़ौदा मुंबई ने डीएफए शहडोल को 6-0 से हराया

धनपुरी ।दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद धनपुरी के तत्वावधान में सुभाष स्टेडियम क्रमांक-3 में आयोजित अखिल भारतीय गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट-2026 अपने चरम रोमांच पर पहुंच चुका है। 4 जनवरी को खेले गए दोनों मुकाबलों में दर्शकों को तेज रफ्तार, आक्रामक खेल और बेहतरीन तालमेल देखने को मिला। दिन के प्रथम पाली के मुकाबले में बैंक ऑफ बड़ौदा, मुंबई की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए डीएफए शहडोल को 6-0 के एकतरफा अंतर से पराजित कर किया।

मैच के दौरान मुंबई टीम की सटीक पासिंग, तेज मूवमेंट और अनुशासित डिफेंस के आगे शहडोल की टीम टिक नहीं सकी। गोल दर गोल बढ़ती बढ़त ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

मैच के दौरान खेल भावना को प्रोत्साहित करने के लिए अजय अवस्थी, जिलाध्यक्ष कांग्रेस कमेटी शहडोल, डॉ. प्रभात पाण्डेय, पीयूष शुक्ला, त्रिपेष द्विवेदी, आईपी सेल शहडोल, मो. रहीष खान, स्पोर्ट्स डी.एफ.एस. सचिव, साबिर खान, मंडल अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी धनपुरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद धनपुरी की अध्यक्ष श्रीमती रविन्दर कौर छाबड़ा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में हनुमान प्रसाद खंडेलवाल, उपाध्यक्ष सहित समस्त सभापति एवं पार्षदगण मौजूद रहे। मैच की रोचक कॉमेंट्री अजय द्विवेदी एवं श्री कलाम मोहम्मद ने की, जिससे दर्शकों का उत्साह लगातार बना रहा। मंच संचालन पीयूष द्विवेदी ने कुशलतापूर्वक किया। आज प्रथम पाली एम.ई.जी. बैंगलोर बनाम

राजस्थान पुलिस की संघर्षपूर्ण जीत

द्वितीय पाली में खेला गया मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें राजस्थान पुलिस की टीम ने दमखम दिखाते हुए आर.के.एस. नारायणपुर आश्रम, छत्तीसगढ़ को 3-1 से पराजित किया। मैच के अंतिम क्षणों तक दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला, लेकिन राजस्थान पुलिस की बेहतर रणनीति और फिटनेस ने जीत की राह आसान की।

राजस्थान पुलिस, द्वितीय पाली महू इंदौर बनाम एस.ई. रेलवे मुख्यालय नागपुर के बीच शुरू होगी। खेल के साथ-साथ दर्शकों के लिए लकी ड्रॉ योजना भी खास आकर्षण बनी हुई है।

जंगल का भ्रमण कर बच्चों ने जाना महत्व

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेजगढ़ वन परिक्षेत्र के कंसा सांगा के बंकागढ़ में अनुभूति कार्यक्रम के तहत विभिन्न स्कूलों के बच्चों को जंगल की सैर कराई गई। इसमें शासकीय हाई स्कूल तेजगढ़ सरस्वती शिशु मंदिर पतलौनी एवं सांगा के विद्यार्थियों से संवाद कर वन्य प्राणियों से बचाव और वनों की रक्षा की जानकारी दी। वन परिक्षेत्र अधिकारी नीरज पांडे ने बाघ तेंदुआ, हाथी, जंगली जानवर आदि वन्यप्राणियों की प्रवृत्ति एवं बचाव के संबंध में जानकारी दी वन परिक्षेत्र अधिकारी नीरज पांडे के नेतृत्व में बच्चों को समूहों में बांटकर जंगल भ्रमण कराया गया। मास्टर ट्रेनर्स और वन विभाग के कर्मचारियों ने औषधीय वनस्पतियों की पहचान, उनके दैनिक उपयोग, जैव विविधता, विषैले सांपों से बचाव, तितलियों और मधुमक्खियों की पारिस्थिति की भूमिका और मिट्टी जल संरक्षण संबंधी वानिकी कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की इस दौरान पर्यावरण थीम वाले गीत प्रस्तुत किए गए वन संबंधी सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन हुआ।

भारत-बांग्लादेश क्रिकेट विवाद

सुर्खियां बटोरने में माहिर मौका परस्त लोगों ने मुस्तफिजुर रहमान पर ध्यान किया केन्द्रित

खेल है या खेला.... क्रिकेट बना झमेला

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

क्रिकेट के खेल में भारत और पाकिस्तान के बीच तमाम रस्साकसी के बाद अब आईपीएल के जरिये इस खेल का एक नया झमेला तैयार हो गया है।दरअसल टी20 वर्ल्ड कप के ठीक 1 माह पहले जब आगामी आईपीएल के लिए केकेआर ने बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को एक सामान्य बोली के तहत अपनी टीम के लिए खरीदा तभी से सुर्खियां बटौरने में माहिर मौका परस्त लोगों ने अपना पूरा ज्ञान और ध्यान इसी पर केंद्रित कर दिया।मजेदार बात यह है कि इस मुद्दे को हवा और नाजुक मामले में आग देने वाले तथाकथित लोगों का क्रिकेट के खेल से कोई वास्ता ही नहीं है।

अगर वाकई में इस तरह की मानसिकता वाले लोगों का आईपीएल या फिर बंगलादेशी खिलाड़ियों पर यह विचारधारा पूरी तरह से दो देशों के राजनीतिक रिश्तों से सरोकार होती तो फिर शायद उनका विरोध किसी व्यक्ति विशेष टीम मालिक या खिलाड़ी तक ही सीमित नहीं होता।जब इस खिलाड़ी की बेस प्राइस 2 करोड़ से शुरू होकर 9.20 करोड़ पर जाकर तय हुई उस दौरान कई टीमों ने बढ़ते हुए दाम इस खिलाड़ी पर लगाए।सवाल यह भी उठता है कि अगर इस बोली में जीत किसी ओर फ्रेंचाइजी की हो गयी होती तो भी क्या इतना बवाल मचाया जाता।सही मायने में उनको किसी भी टीम के खिलाड़ी से हटकर इस तरह की मांग 2026आईपीएल शुरुआती बोली से ही करना थी।गौरतलब है कि आगामी आईपीएल के लिए 7 खिलाड़ियों के नाम इस लिस्ट में शामिल थे।

भले ही बाकी 6 खिलाड़ी अभी तक अनसोल्ड रहे लेकिन सच तो यह है कि आईपीएल की बोली सूची में तो बांग्लादेश के खिलाड़ी मौजूद थे ही।मतलब साफ है कि जिस तरह पाकिस्तान का कोई भी खिलाड़ी बोली की शार्ट लिस्ट में शामिल नहीं किया जाता ऐसी ही मांग बंगलादेश के खिलाड़ियों के लिए क्यों नहीं की गयी थी।असल बात तो यह है कि इस तरह के लोगों का मकसद खेल की लोकप्रियता की वजह से सिर्फ जनभावनाओं को उकसाना मात्र है,क्योंकि अगर उनकी भावना खेल को लेकर होती तो फिर उनकी बयानबाजी क्रिकेट तक ही सीमित न होती।

अब वह अपने मकसद में कामयाब भी रहे जब बीसीसीआई ने तल्ख अंदाज में फरमान जारी कर केकेआर से इस खिलाड़ी को रिलीज करवा दिया।वैसे सच तो यह है कि जब किसी भी खेल इस तरह की राजनीतिक दखलंदाजी हो जाती है जिसमें किसी भी बोर्ड या संगठन के फैसले को देश की जीत हार में शामिल कर लिया जाता है तो फिर यह मैदान के अंदर होने वाले खेल से अधिक खेला नजर आने लगता है।ऐसा ही कुछ इस मामले में भी शुरू हो गया है।जब मुस्तफिजुर रहमान को लेकर भारत और बांग्लादेश के बीच बयानबाजी का विवाद अब बढ़ता जा रहा है।दरअसल इसमें अब बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के खेल मंत्री भी कूद गए हैं। बांग्लादेश के प्रमुख गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर करने के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को उसके खेल मंत्रालय ने निर्देश दिया है कि वह टी20 विश्व कप के अपने लीग मैच भारत के बजाए श्रीलंका में खेलने की की मांग करे और ऐसा ही प्रस्ताव अब उनके बोर्ड ने आईसीसी के समक्ष रख भी दिया है।भारत के बाद अब बांग्लादेश में भी इस मुद्दे को राजनीतिक रंग दे दिया गया है।सरकार की सलाह को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने मौजूदा परिस्थितियों में टीम भारत न भेजने का निर्णय रविवार को ले लिया है।अब देखना यह दिलचस्प रहेगा कि आईसीसी क्या रुख अख्तियार करती है।वैसे इतने कम समय मे इस तरह के कोई भी फेरबदल की गुंजाइश न के बराबर है।अब देखना यह है किअगर बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड की यह मांग ठुकरा दी जाती है तो फिर उनका बोर्ड अपनी साख बचाने और क्रिकेट के आर्थिक लाभ के बीच कैसा तालमेल करता है।फैसला जो भी हो लेकिन एक बात तय है कि खेल के मैदान में होने वाले इस खेला का झमेला आने वाले समय मे कम होने की बजाय बढ़ना ही तय है।

अपने घर में हालात बेकाबू, फिर भी भारत में सुरक्षा पर सवाल

टी20 विश्वकप मैच शिफ्ट करने की मांग पर अड़ा बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) द्वारा भारत में होने वाले टी20 विश्व कप मुकाबलों को श्रीलंका शिफ्ट करने की मांग ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है। दिलचस्प बात यह है कि यह मांग ऐसे समय पर आई है, जब खुद बांग्लादेश गंभीर राजनीतिक अस्थिरता, हिंसा और अल्पसंख्यकों पर हमलों की आग में झुलस रहा है, लेकिन भारत में खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही है।

खुद के घर में फैली अशांति

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत में अपनी राष्ट्रीय टीम भेजने से इनकार करते हुए दावा किया कि मौजूदा परिस्थितियों में खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर आशंका है। इसी आधार पर बीसीबी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से अनुरोध किया है कि टी20 विश्व कप में बांग्लादेश के सभी मैच भारत की बजाय सह-मेजबान श्रीलंका में कराए जाएं। यह मांग ऐसे समय पर आई है, जब आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स ने बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बीसीसीआई के निर्देश पर रिलीज कर दिया। इसके बाद बांग्लादेश में इस मुद्दे को राजनीतिक रंग दे दिया गया और इसे भारत-बांग्लादेश संबंधों से जोड़कर देखा जाने लगा।

बीसीबी ने आईसीसी से की श्रीलंका में मैच कराने की मांग

बीसीबी ने रविवार को जारी बयान में कहा कि पिछले 24 घंटों में हुए घटनाक्रमों की समीक्षा के बाद बोर्ड ने भारत में बांग्लादेशी टीम की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है। सरकार की सलाह को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने मौजूदा परिस्थितियों में टीम को भारत न भेजने का निर्णय लिया। बीसीबी ने कहा, बोर्ड ने पिछले 24 घंटों के घटनाक्रम को ध्यान में रखते हुए स्थिति की विस्तार से समीक्षा की और भारत में होने वाले मैचों में बांग्लादेश नेशनल टीम की भागीदारी से जुड़ी कुल परिस्थितियों पर गहरी चिंता व्यक्त की। मौजूदा स्थिति का पूरी तरह से आकलन करने और भारत में बांग्लादेश दल की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं और बांग्लादेश सरकार की सलाह पर विचार करने के बाद, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने फैसला किया है कि मौजूदा हालात में बांग्लादेश नेशनल टीम टूर्नामेंट के लिए भारत नहीं जाएगी।

आईसीसी से जताई उम्मीद

बयान में आगे कहा गया, इस फैसले को देखते हुए, बीसीबी ने इवेंट अथॉरिटी के तौर पर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) से औपचारिक रूप से रिक्वेस्ट की है कि बांग्लादेश के सभी मैचों को भारत के बाहर किसी दूसरी जगह (सह-मेजबान श्रीलंका) पर शिफ्ट करने पर विचार किया जाए। बांग्लादेश अपने चारों लीग मैच भारत में खेलने वाला था। अब बोर्ड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से औपचारिक रूप से अनुरोध किया है कि उसके सभी मुकाबले भारत के बाहर, सह-मेजबान श्रीलंका में कराए जाएं। बीसीबी ने इस मामले में आईसीसी से त्वरित प्रतिक्रिया की उम्मीद जताई है।

बांग्लादेश में आईपीएल के प्रसारण को बैन करने की मांग

इससे पहले, बांग्लादेश सरकार के खेल मंत्रालय से जुड़े सलाहकार आसिफ नजरुल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बोर्ड के फैसले का समर्थन किया और कहा कि यदि किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी को अनुबंध के बावजूद भारत में खेलने से रोका जाता है, तो राष्ट्रीय टीम खुद को सुरक्षित कैसे महसूस कर सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत में निर्धारित तीन मैच कोलकाता और एक मुंबई में थे, जिन्हें श्रीलंका स्थानांतरित करने की मांग की गई है। वहीं, नजरुल ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से बांग्लादेश में आईपीएल के प्रसारण को निलंबित कराने का अनुरोध भी किया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी क्रिकेट, खिलाड़ियों या देश के अपमान को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एएफआई ने क्वालिफाइंग मानक जारी किया

एशियाड के लिए 100 मीटर में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने जापान में 19 सितंबर से 4 अक्तूबर तक होने वाले 20वें एशियाई खेलों (एशियाड) के लिए क्वालिफाइंग मानक घोषित कर दिए। इस बार पुरुषों की 100 मीटर दौड़ और पोल वॉल्ट में चयन के लिए राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना जरूरी होगा। चयन समिति के चेयरमैन आदिल सुमारीवाला ने कहा, मिश्रित 4×100 मीटर रिले और मैराथन वॉक जैसे नए इवेंट्स के लिए मानक बाद में तय होंगे। इसका फैसला एशियाई रिले और वर्ल्ड रिले के बाद लिया जाएगा। खिलाड़ियों को राज्य चैंपियनशिप में भाग लेना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रतियोगिताओं (दो अंतर-राज्य, राष्ट्रीय ओपन) में हिस्सा लेना जरूरी है। कम से कम दो प्रतियोगिताओं में मानक के करीब प्रदर्शन और अंतिम इवेंट में मानक हासिल करना अनिवार्य है।

चोट से उबर रहे नीरज, साल का कैलेंडर तैयार

चोट के चलते विश्व चैंपियनशिप खिताब बचाने में असफल रहे भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा कोच जैन जेलेग्नी के साथ 2026 का कैलेंडर तैयार कर चुके हैं। सुमारीवाला बोले, जेलेज्नी के पास नीरज का पूरा कैलेंडर है। वह चोट से उबर रहे हैं। चैंपियनशिप में दो चोटों के बावजूद उन्होंने हिस्सा लिया। हालांकि, वह सीजन की शुरुआत किस टूर्नामेंट से करेंगे, इसकी जानकारी नहीं है।

नीरज को घरेलू टूर्नामेंट से मिल सकती है छूट

एएफआई ने एशियाई खेलों के लिए तीन घरेलू टूर्नामेंट में भाग लेना अनिवार्य किया है। हालांकि, नीरज चोपड़ा को इससे छूट मिल सकती है। सुमारीवाला ने कहा, पिछले साल नीरज ने डायमंड लीग के कारण छूट मांगी थी, हमने दी। सभी के लिए यही नियम है। यदि कोई खिलाड़ी घरेलू स्पर्धाओं में भाग नहीं ले रहा है, तो उसे अनुमति लेनी होगी। अंतिम निर्णय चयन समिति का होगा।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

सुनील ग्रोवर ने उतारी नकल, आमिर खान को लगा बुरा? बोले- मैं इसे मिमिक्री नहीं कहूंगा.

सुनील ग्रोवर लाजवाब हैं। वो जो भी एक्ट करते हैं- इतना शानदार होता है कि हर कोई उनका फैन बन जाता है। इस बार द ग्रेट इंडियन कपिल शो पर उन्होंने आमिर खान की मिमिक्री की, इसे देख शो की टीम, फैंस से लेकर आमिर खान तक इम्प्रेस हो गए। आमिर ने सुनील के एक्ट को बेस्ट बताया और अपना रिएक्शन शेयर किया।

द ग्रेट कपिल शर्मा शो के हालिया एपिसोड में सुनील ग्रोवर ने आमिर खान की जबरदस्त मिमिक्री कर सभी को काफी इम्प्रेस किया। सुनील का यह एक्ट पूरे एपिसोड का सबसे बड़ा अट्रेक्शन बन गया। आमिर खान की नकल करते हुए उनके वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं। अब खुद आमिर खान ने भी सुनील ग्रोवर की तारीफ की है और उनकी मिमिक्री को बेहद असली बताया है। बातचीत में आमिर ने कहा, ÷मैं इसे मिमिक्री भी नहीं कहूंगा। ये इतना असली था कि मुझे लगा मैं खुद को देख रहा हूं। मैंने सिर्फ एक छोटा सा क्लिप देखा है और अब पूरा एपिसोड देखने वाला हूं। जो मैंने देखा, वो कमाल का था। मैं इतना हंसा कि सांस लेना मुश्किल हो गया।%% अक्सर देखा जाता है कि जब किसी एक्टर की नकल की जाती है तो वो नाराज भी हो सकता है, लेकिन आमिर के साथ ऐसा बिल्कुल नहीं हुआ।

आमिर से भी ज्यादा आमिर लगे सुनील

फैंस ने सुनील ग्रोवर की बारीकियों पर खास ध्यान देने की तारीफ की। लोगों ने कहा कि सुनील ने आमिर के बात करने के अंदाज और उनकी गंभीर शख्सियत को बहुत अच्छे से पकड़ा। कई दर्शकों को तो लगा कि असली आमिर खान ही शो में आ गए हों। एक यूजर ने लिखा- ओ भाई, मुझे तो लगा आमिर खान ही आ गए हैं। कुछ लोगों ने कहा कि सुनील आमिर से भी ज्यादा आमिर लग रहे थे, तो वहीं कई यूजर्स ने मजाक में उनकी तुलना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से कर दी और लिखा, 'AI भी सुनील ग्रोवर से सीखता होगा।

माही विज-जय भानुशाली ने कंफर्म किया तलाक, टूटी 14 साल की शादी

टीवी इंडस्ट्री के फेमस कपल माही विज और जय भानुशाली ने आखिरकार अपने तलाक की पुष्टि कर दी है। दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला लिया है, जिससे उनकी 14 साल पुरानी शादी का अंत हो गया। इस खबर के सामने आने के बाद उनके फैंस भावुक हो गए हैं, क्योंकि माही और जय को लंबे समय तक एक मजबूत और खुशहाल जोड़ी माना जाता रहा है। लंबे समये से कपल को लेकर अलगाव की खबरें आ रही थीं। माही विज और जय भानुशाली ने एक जॉइंट स्टेटमेंट में बताया कि ये फैसला उन्होंने काफी सोच-समझकर और शांति के साथ लिया है। दोनों ने साफ किया कि उनके रिश्ते में किसी तरह का दोष या गलत व्यक्ति नहीं है। ये अलगाव नकारात्मकता की वजह से नहीं, बल्कि मानसिक शांति, आपसी सम्मान और बेहतर भविष्य के लिए लिया गया फैसला है।

इंस्टा स्टोरी अपडेट में कपल ने लिखा- आज हम एक ऐसे मोड़ पर पहुंचे हैं, जिसे जीवन ने हमारे लिए चुना है। हमने साथ मिलकर प्यार, तरक्की, समझदारी और इंसानियत की साझा कीमतों को आगे बढ़ाया है।

शांति के लिए, हमारे बच्चों के लिए, खुशी के लिए और सबसे जरूरी- एक-दूसरे के लिए, हमने अलग होने का फैसला लिया है। हम सबसे पहले अच्छे दोस्त रहेंगे और जो भी जिंदगी हमारे सामने लाएगी, उसका सामना हम पूरे सम्मान और समझदारी के साथ करेंगे। हालांकि अब हमारा रास्ता अलग है, लेकिन इस फैसले में कोई खलनायक नहीं है। ये कहानी नकारात्मकता या किसी गलत के बारे में नहीं है। कृपया समझें कि हम ये कदम शांति, सुकून और अपने मानसिक स्वास्थ्य के लिए उठा रहे हैं- किसी और वजह से नहीं। हम एक-दूसरे का सम्मान करते रहेंगे।

मेट्रो बाजार

लग्जरी कार खरीददारों में ईवी का हो रहा मोहभंग, पारंपरिक इंजन वाले वाहनों की बढ़ रही मांग

नई दिल्ली। देश में जीएसटी बदलावों का असर ऑटो इंडस्ट्री में साफ दिख रहा है। दरअसल लग्जरी कार खरीददारों में ईवी गाड़ियों का मोहभंग हो रहा है और लोग फिर से पारंपरिक इंजन वाली गाड़ियों को खरीद रहे हैं। इंडस्ट्री के जानकारों के अनुसार, जीएसटी 2.0 के दौर में लग्जरी कार सेगमेंट में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बिक्री में तीन फीसदी की गिरावट आई है। इसकी वजह टोटल कोस्ट ऑफ ऑनरशिप को बताया जा रहा है। गाड़ियों के बड़े बाजार में भी पारंपरिक इंजन यानी इंटरनल कम्बशन इंजन की खरीद बढ़ रही है, लेकिन लग्जरी वाहनों में ये बदलाव ज्यादा देखा जा रहा है। बीते साल सितंबर में जीएसटी की दरों में बदलाव हुआ है। इस बदलाव के तहत 1200 सीसी से कम और 4000 एमएम से कम लंबी पेट्रोल, एलपीजी और सीएनजी गाड़ियों और 1500 सीसी की डीजल गाड़ियों पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं दूसरी तरफ 1200 सीसी से ज्यादा और 4000 एमएम से लंबी गाड़ियों पर जीएसटी 15-22 प्रतिशत के बीच रखा गया है। मर्सिडीज-बेंज इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ संतोष अय्यर का कहना है, %अगर मैं अक्तूबर और नवंबर (2025) को देखूं, तो मध्यम और बजट वाहनों के साथ-साथ लग्जरी सेगमेंट में भी ईवी की बिक्री में 2 से 3 प्रतिशत की गिरावट हुई है, क्योंकि पारंपरिक इंजन वाले वाहनों का टोटल कॉस्ट ऑफ ओनरशिप ईवी की तुलना में काफी बेहतर है।

ग्रोक से अवैध कंटेंट बनाने वालों पर होगी कार्रवाई, एआई से जुड़े विवाद पर एलन मस्क

नई दिल्ली। माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स के मालिक एलन मस्क ने साफ कहा है कि जो लोग एक्स के एआई टूल ग्रोक का इस्तेमाल करके अवैध, अश्लील या गैरकानूनी कंटेंट बनाएंगे, उनके खिलाफ वही कार्रवाई होगी, जो ऐसा कंटेंट अपलोड करने वालों पर होती है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक्स को निर्देश दिया है कि वह ग्रोक से बने सभी अश्लील, आपत्तिजनक और गैरकानूनी कंटेंट को तुरंत हटाए। ऐसा न करने पर कानून के तहत कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। एलन मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट के जवाब में कहा कि ग्रोक को दोष देना ठीक नहीं है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे कोई पेन अपने आप गलत बात नहीं लिखता, वैसे ही ग्रोक भी अपने आप गलत कंटेंट नहीं बनाता। यह पूरी तरह यूजर पर निर्भर करता है कि वह क्या इनपुट देता है। इसलिए जिम्मेदारी यूजर की ही होगी।

राज्यसभा सांसद ने केंद्रीय मंत्री से की थी शिकायत- मंत्रालय ने एक्स को 72 घंटे के भीतर यह बताने को कहा है कि उसने अब तक क्या कार्रवाई की है। मंत्रालय का कहना है कि उसे कई बार शिकायतें मिली हैं कि एक्स पर कुछ कंटेंट कानून के मुताबिक शालीनता और मर्यादा के नियमों का उल्लंघन कर रहा है। यह मामला तब और गंभीर हुआ, जब राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर महिलाओं की फर्जी और अश्लील तस्वीरें बनाने के लिए ग्रोक के दुरुपयोग पर चिंता जताई। सरकार का कहना है कि ग्रोक का गलत इस्तेमाल कर कुछ लोग महिलाओं की छवि खराब करने वाले वीडियो और तस्वीरें बना रहे हैं, जो कानूनन अपराध है।

आइस फेस्टिवल कलाकारों ने बनाई बर्फ से कलाकृतियां

बीजिंग। चीन के हेलोंगयांग प्रांत स्थित हार्बिन शहर में दुनिया का सबसे बड़ा सालाना आइस एंड स्नो फेस्टिवल चल रहा है। हर बार की तरह इस साल भी फेस्टिवल में कई अजूबे तैयार किए गए हैं। लगभग 6 लाख स्कवायर मीटर में फैले स्नो वर्ल्ड में बर्फ के 100 से ज्यादा मंदिर और कलाकृतियां हैं। इन्हें 2 लाख घन मीटर बर्फ से तैयार किया गया है।

न्यूज विंडो

अभिनेता पट्टाम्बी का निधन, 62 की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

नई दिल्ली। एक्टर और जाने-माने प्रोडक्शन कंट्रोलर कन्नन पट्टाम्बी का रविवार रात किडनी से जुड़ी बीमारी का इलाज कराते समय निधन हो गया। वह 62 साल के थे।एक्टर के निधन की खबर की पुष्टि उनके बड़े भाई फिल्ममेकर मेजर रवि ने की। एक्टर ने कोझिकोड के एक प्राइवेट अस्पताल में रात करीब 11:40 बजे आखिरी सांस ली। उनका अंतिम संस्कार आज शाम 4 बजे पट्टाम्बी के नजानगंथिरी स्थित उनके घर पर होगा। मेजर रवि ने मलयालम में लिखे एक पोस्ट के जरिए फेसबुक पर यह दुखद खबर शेयर की। पट्टाम्बी की एक फोटो के साथ, उन्होंने फॉलोअर्स को निधन के समय और अंतिम संस्कार की जानकारी दी और अपने छोटे भाई को श्रद्धांजलि दी। कन्नन पट्टाम्बी कई सालों से मलयालम फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हुए थे। उन्होंने प्रोडक्शन कंट्रोलर के तौर पर काम किया और कई फिल्मों में एक्टर के तौर पर भी नजर आए। वह अपने भाई मेजर रवि के साथ करीबी सहयोग के लिए जाने जाते थे, जो पहले इंडियन आर्मी ऑफिसर थे और बाद में फिल्ममेकर बन गए।

एसटीएफ ने एक लाख के इनामी बदमाश को मार गिराया

सुल्तानपुर। यूपी के सुल्तानपुर में सोमवार की तड़के एसटीएफ और पुलिस की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ में एक शातिर बदमाश को मार गिराया। वह लखीमपुर खीरी जिले का रहने वाला एक लाख का इनामी बदमाश था। लंबे समय से पुलिस को इसकी तलाश थी। मुठभेड़ लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के दियरा मोड़ के पास हुई। मुठभेड़ उस समय हुई जब एसटीएफ और पुलिस टीम सुल्तानपुर-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सक्रिय थी। जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। उसे तत्काल सीएचसी, लंभुआ ले जाया गया। वहां से मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बदमाश की पहचान तालिब उर्फ आजम खान (26) के रूप में हुई है। यह लखीमपुर खीरी जिले के फरधान थाना क्षेत्र के गौरिया का रहने वाला था। इसके आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। बताया गया कि इस पर लखीमपुर में कई मुकदमे दर्ज हैं। इनाम भी घोषित था।

इनेलो जिलाध्यक्ष के भाई का अपहरण कर किया कत्ल

पानीपत। पानीपत में इनेलो के जिलाध्यक्ष कुलदीप राठी के भाई डॉक्टर जयदीप राठी की हत्या गोली मारकर हत्या कर दी गई। 27 दिसंबर को पंजाब के जीरकपुर में आरोपियों ने हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। साथ ही शव भी ठिकाने लगा दिया गया। हालांकि अभी शव बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने यमुनानगर के चहरवाला गांव से एक आरोपी जसविंदर उर्फ जस्सी को हिरासत के लेकर पूछताछ की तो हत्या की वारदात का खुलासा हुआ। जिसके बाद डीएसपी समालखा नरेंद्र कादियान ने दोपहर करीब 12 बजे कुलदीप राठी को इसकी जानकारी दी थी। साथ ही अन्य आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। इसबीच देर रात पुलिस को दो आरोपियों के पानीपत के रिफाइनरी रोड नहर पटरी पर होने की सूचना मिली। सीआईए-1 ओर 2 की टीम वहां पहुंची तो आरोपियों के साथ मुठभेड़ हो गई। जिसमें पैर में गोली लगने आए एक आरोपी गुरदर्शन घायल हो गया। वहीं, उसका साथ जलजीत मौके के भाग गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में पुलिस चार आरोपियों को शुक्रवार को गिरफ्तार कर चुकी है।

सोमनाथ मंदिर पर हमले के 1000 साल पूरे होने पर पीएम का ब्लॉग

सोमनाथ मंदिर के आयोजन में राजेंद्र प्रसाद को रोकना चाहते थे नेहरू: मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

सोमनाथ के ऐतिहासिक मंदिर पर हमले के इस वर्ष 1000 साल पूरे हो गए हैं। हिंदुओं की आस्था के बड़े केंद्र सोमनाथ मंदिर पर महमूद गजनी ने 1026 ई. में हमला किया था। इसके बाद एक लंबे इंतजार के बाद सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया था। सोमनाथ मंदिर की बीते एक हजार सालों की इसी यात्रा को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने एक ब्लॉग लिखा है। इसमें उन्होंने मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए सरदार वल्लभ भाई पटेल को क्रेडिट दिया है तो वहीं देश के पहले पीएम जवाहर लाल नेहरू पर निशाना भी साधा।

वह लिखते हैं, 'सर्वविदित है कि आजादी के बाद सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का पवित्र दायित्व सरदार वल्लभभाई पटेल के सक्षम हाथों में आया। उन्होंने आगे बढ़कर इस दायित्व के लिए कदम बढ़ाया। 1947 में दीवाली के समय उनकी सोमनाथ यात्रा हुई। उस यात्रा के अनुभव ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया, उसी समय उन्होंने घोषणा की कि यहीं सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण होगा। अंततः 11 मई 1951 को सोमनाथ में भव्य मंदिर के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। उस अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद उपस्थित थे।' पीएम मोदी ने लिखा कि महान सरदार साहब इस ऐतिहासिक दिन को देखने के लिए जीवित नहीं थे, लेकिन उनका सपना राष्ट्र के सामने साकार होकर भव्य रूप में उपस्थित था। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू इस घटना से अधिक उत्साहित नहीं थे। वो नहीं चाहते थे कि राष्ट्रपति और मंत्री इस समारोह का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि इस घटना से भारत की छवि खराब होगी। लेकिन राजेंद्र बाबू अडिग रहे, और फिर जो हुआ, उसने एक नया इतिहास रच दिया। सोमनाथ मंदिर का कोई भी उल्लेख केएम मुंशी जी के योगदानों को याद किए बिना अधूरा है। उन्होंने उस समय सरदार पटेल का प्रभावी रूप से समर्थन किया था।

'दुनिया भारत को एक उम्मीद से देखती है'

इन्हीं विचारों ने हमें हर कालखंड में, हर परिस्थिति में फिर से उठ खड़े होने, मजबूत बनने और आगे बढ़ने का सामर्थ्य दिया है। इन्हीं मूल्यों और हमारे लोगों के संकल्प की वजह से आज भारत पर दुनिया की नजर है। दुनिया भारत को आशा और विश्वास की दृष्टि से देख रही है। वो हमारे इनोवेटिव युवाओं में निवेश करना चाहती है। हमारी कला, हमारी संस्कृति, हमारा संगीत और हमारे अनेक पर्व आज वैश्विक पहचान बना रहे हैं। योग और आयुर्वेद जैसे विषय पूरी दुनिया में प्रभाव डाल रहे हैं। ये स्वस्थ जीवन को बढ़ावा दे रहे हैं। आज कई वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए दुनिया भारत की ओर देख रही है।

समंदर की लहरें सुनाती हैं सोमनाथ मंदिर की गाथा

उन्होंने लिखा कि 1026 के पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद 2026 में भी सोमनाथ का समुद्र उसी तीव्रता से गर्जना करता है और तट को स्पर्श करती लहरें उसकी पूरी गाथा सुनाती हैं। उन लहरों की तरह सोमनाथ बार-बार उठता रहा है। अतीत के आक्रमणकारी आज समय की धूल बन चुके हैं। उनका नाम अब विनाश के प्रतीक के तौर पर लिया जाता है। इतिहास के पन्नों में वे केवल फुटनोट हैं, जबकि सोमनाथ आज भी अपनी आशा बिखेरता हुआ प्रकाशमान खड़ा है। सोमनाथ हमें ये बताता है कि घृणा और कट्टरता में विनाश की विकृत ताकत हो सकती है, लेकिन आस्था में सृजन की शक्ति होती है।

राज ठाकरे के बयान पर नितेश राणे ने कहा- 'हम हिंदू हैं, उर्दू नहीं'

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र निकाय चुनाव को लेकर वार-पलटवार के दौर में भाषा की लड़ाई भी तेज हो गई है। मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे के हिंदी वाले बयान पर अब बीजेपी के फायरब्रांड नेता नितेश राणे ने तीखा तंज कसा है।एक कार्यक्रम के दौरान राज ठाकरे ने कहा था, 'हम हिंदू हैं, हिंदी नहीं।' इस पर पलटवार करते हुए नितेश राणे ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया है, 'हम हिंदू हैं... उर्दू नहीं ! मुंबई महादेव '

फडणवीस के बयान पर राउत का पलटवार

इससे पहले देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा था की मुंबई का अगला मेयर हिंदू होगा और वो मराठी होगा। इस पर शिवसेना-यूबीटी नेता संजय राउत ने रविवार को बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा, 'सीधे कहो कि मराठी मेयर बनेगा। आप बीच में 'हिंदू' शब्द क्यों ला रहे हो? मराठी कहते हुए आपकी जीभ क्यों लड़खड़ा रही है? यह मुंबई मराठी लोगों की है। हिंदुत्व मत सिखाओ। '

राउत ने कहा, 'शिवाजी महाराज, बाल ठाकरे का जन्म महाराष्ट्र में हुआ। यहां औरंगजेब पैदा नहीं हुआ,वो गुजरात में पैदा हुआ था, इसलिए हमें फडणवीस जैसे लोग हिंदुत्व ना सिखाए। फडणवीस के साथ खड़ा रहने वाला शिंदे क्या हमें हिंदुत्व सिखाएंगे, क्या संबंध है उनका हिंदुत्व से, ये दिल्ली वालों के बूट चाटने वाले हैं। '

पुतिन के आवास पर ड्रोन हमला नहीं ट्रंप बोले- क्रेमलिन का दावा गलत

वॉशिंगटन, एजेंसी

यूक्रेन-रूस युद्ध के बीच ड्रोन हमले को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। रूस के इस दावे पर कि यूक्रेन ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सरकारी आवास को निशाना बनाया था, अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ इनकार किया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों के आकलन में ऐसा कोई हमला नहीं हुआ।

एयर फोर्स वन में सवार होकर वॉशिंगटन लौटते समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों ने जांच के बाद निष्कर्ष निकाला है कि यूक्रेन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के किसी भी आवास को ड्रोन हमले में निशाना नहीं बनाया। ट्रंप का यह बयान रूस के उस दावे के विपरीत है, जिसमें रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा था कि यूक्रेन ने पिछले हफ्ते उत्तर-पश्चिमी नोवगोरोड क्षेत्र में स्थित पुतिन के सरकारी आवास पर ड्रोन हमले किए थे, जिन्हें रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने नाकाम कर दिया। ट्रंप ने साफ शब्दों में कहा मुझे नहीं लगता कि ऐसा कोई हमला हुआ।

यह आरोप ऐसे समय पर सामने आया था, जब यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की शांति वार्ता को लेकर फ्लोरिडा में ट्रंप से मुलाकात कर चुके थे। जेलेंस्की ने रूसी आरोपों को तुरंत खारिज करते हुए कहा था कि यूक्रेन का ऐसा कोई इरादा नहीं है।

हादसे का खतरा, पिछले साल हो चुकी हैं दो दुर्घटनाएं

डल झील की दीवारों को खोखला कर रहे चूहे...

श्रीनगर, एजेंसी

कश्मीर के सबसे प्रमुख आकर्षणों में से एक श्रीनगर की डल झील की दीवारों को चूहों से खतरा है। जी हां, यह बात हम नहीं बल्कि सड़क और दीवार के बीच नजर आने वाले दर्जनों छेद कह रहे हैं। डल झील में शिकारे की सवारी, हाउस बोट में रहने के अलावा यहां घूमने के लिए रोज सैकड़ों पर्यटक आते हैं। वे डल किनारे दीवारों पर बैठकर फोटो भी खिंचवाते हैं। ऐसे में खोखली हुई जमीन पर खड़ी दीवारों के गिरने का खतरा बना हुआ है।

बुलेवार्ड रोड पर सैर के लिए आने वाले लोगों और यहां शिकारे चलाने वाले नाविकों ने बताया कि काफी समय से सड़क और दीवारों के बीच छेद नजर आ रहे हैं। ये चूहों के बनाए गए बिलों के रास्ते हैं। झील के किनारे फेंके गए खाने के कचरे और बचे खुचे खाने से यह समस्या और बढ़ गई है, जो चूहों को आकर्षित करते हैं। इससे यहां उनकी संख्या बढ़ती जा रही है।

चूहे बढ़ने से बिलों की संख्या बढ़ी है और ये लगातार झील के किनारे फुटपाथ के नीचे की मिट्टी को कमजोर कर रहे हैं। चूहों ने गहरे बिल खोद दिए हैं और दिखाई देने वाले छेद और दरारें बन गई हैं। कटाव ने दीवारों की नींव को कमजोर कर दिया है जिससे पैदल चलने वाले रास्ते के कुछ हिस्से कमजोर और गिरने के कगार पर हैं। अनजाने में पर्यटकों के दबाव से कभी भी दुर्घटना हो सकती है। साथ ही व्यस्त सड़क पर वाहनों को भी खतरा हो सकता है।

मेट्रो एंकर

आधुनिक युद्ध की चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय सेना की तैयारी...

दुश्मनों का काल: एक लाख ड्रोन से लैस 'भैरव' सेना तैयार

नसीराबाद, एजेंसी

केंद्र सरकार की मंशा के अनुरूप सेना ने आधुनिक युद्ध की चुनौतियों का सामना करने के लिए एक लाख से अधिक ड्रोन ऑपरेटरों का पूल तैयार किया है। तैयार नया विशेष बल भैरव पैदल सेना को आधुनिक और घातक बनाएगा, जो दुश्मन पर कहर बनकर टूटने को पूरी तरह तैयार है।

भैरव के सभी ऑपरेटिव ड्रोन को संभालने में सक्षम हैं और दुश्मन के इलाके में बेस तथा फॉर्मेशन को टारगेट करने के लिए असली ऑपरेशन में उनका इस्तेमाल कर सकते हैं। सेना मुख्यालय द्वारा दुनियाभर के और अपने खुद के संघर्षों से मिले सबक को ध्यान में रखते हुए बनाई गई भैरव बटालियन को जरूरत के हिसाब से कई स्तर पर विशेष बलों के काम को अंजाम देने के लिए, तेज गति वाले, आक्रामक ऑपरेशनों के लिए एक खास बल देने के लिए बनाया गया है।

25 बटालियन बनाने का लक्ष्य

भारतीय सेना ने पहले ही ऐसी करीब 15 बटालियन बना ली हैं और उन्हें दोनों सीमाओं पर अलग-अलग फॉर्मेशन में तैनात किया गया है तथा भविष्य में कुल मिलाकर करीब 25 बटालियन बनाने की योजना है। भैरव बटालियन पैरा स्पेशल फोर्सेज और रेगुलर इन्फैंट्री बटालियन के बीच की खाई को भी भरेगी।

सन्स ऑफ द सॉइल की धारणा पर बनाई गई बटालियन

भैरव को टैक्टिकल से लेकर ऑपरेशनल स्तर तक स्पेशल ऑपरेशन करने का काम भी सौंपा जाएगा। भारतीय सेना की दक्षिणी कमान की डेजर्ट भैरव बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर ने बताया कि डेजर्ट भैरव बटालियन को सन्स ऑफ द सॉइल की धारणा पर बनाया गया है, क्योंकि ज्यादातर सैनिक राजस्थान के हैं जो इलाके, भाषा, मौसम और क्षेत्र को समझ सकते हैं। हम रेगिस्तानी सेक्टर में किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं।

आर्मी डे परेड का होगी हिस्सा

कमांडिंग ऑफिसर ने कहा कि यह बल बहुत मजबूती से विकसित हो रहा है और सदर्न कमांड और भारतीय सेना की तेज, सक्षम और निर्णायक बल के रूप में उभर रहा है। भैरव बटालियन इस साल 15 जनवरी को जयपुर में होने वाली भारतीय सेना की आर्मी डे परेड का भी हिस्सा होंगी। डेजर्ट फाल्कन्स के नाम से जाने जाने वाले दो भैरव इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आरएन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564